एजेंसी देना है
एजेंसी लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
मो. 9893798715

RNI No:-MPHIN/2008/24599 डाक पंजीयन:-एमपी/SDL-0019/2026-2028 Epaper:- www.fatwasamachar.com

फतवा

प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित भोपाल और छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार आपका विश्वास

वर्ष-17 अंक-22 अनूपपुर- 29 मई से 04 जून 2025 पृष्ठ-08 मूल्य-02 पेज 06 कुछ अलग ही है

न्यूज बीफ़

पंजाब में रिहायशी कॉलोनी में बम फटा

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर के मजीठा रोड बाईपास पर रिहायशी कॉलोनी में मंगलवार सुबह बम धमाका हुआ है, जिसमें एक व्यक्ति के हाथ और पैर चिथड़े की तरह उड़ गए। उसका पूरा शरीर छलनी था। जब उसे अस्पताल ले जाया गया तो उसकी मौत हो गई। यह ब्लास्ट आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने कराया है और मरने वाला इसी संगठन से जुड़ा था। धमाके के बाद मौके पर पहुंचे पंजाब पुलिस की बॉर्डर रेंज के डीआईजी सतिंदर सिंह ने भी माना कि यह आतंकी घटना है। जिस शख्स की मौत हुई, वह हथियारों की खेप उठाने आया था। इसी दौरान धमाका हो जाने से उसके चीथड़े उड़ गए।

भाजपा विधायक को 2 साल की जेल

दरभंगा। दरभंगा के एमपी एमएलए कोर्ट ने अलीनगर के भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव एवं सुरेश यादव को 2 साल की जेल की सजा दी है। इसके पहले 21 फरवरी को भादवि की धारा 323 में तीन माह की सजा और 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ यादव द्वारा दायर अपील को एमपी एमएलए कोर्ट के अपीलीय विशेष न्यायाधीश सह जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की अदालत ने 23 मई को खारिज कर दिया तथा निचली अदालत से पारित सजा के तहत जेल भेज दिया। मंगलवार को सजा अवधि पर दोनों पक्ष को सुनने के बाद एडीजे दिवाकर विधायक यादव एवं सुरेश को दो-दो वर्ष का सश्रम कारावास, एक-एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा मुकर्रर की। अर्थदंड नहीं देने पर एक साल का साधारण कारावास भुगतना होगा।

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र कर सीएम उमर ने केंद्र से की पर्यटन पुनर्जीवन की मांग

पहलगाम। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य में शांति और विकास के संदेश को मजबूती देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार, 27 मई को पहलगाम में एक विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित कर उन्होंने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस समर्थन की मांग की है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से अपील की कि कश्मीर में सार्वजनिक उपक्रमों और संसदीय समितियों की बैठकें आयोजित की जाएं, ताकि जनता में विश्वास पैदा हो और देश-दुनिया को यह संदेश मिले कि घाटी आतंकवाद से नहीं, सकारात्मक बदलावों से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि यह मांग पहले भी नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में रखी जा चुकी है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, कि हमारी सरकार लोगों के मन से डर हटाकर उन्हें विश्वास और सुरक्षा का अहसास दिलाने के लिए काम कर रही है। इससे पर्यटन उद्योग को फिर से जीवंत करने में मदद मिलेगी और घाटी में सामान्य स्थिति लौटेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 5-6 सप्ताह कश्मीर के लिए बेहद कठिन रहे हैं और इस दौर से उबरने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है।

पंचकूला सामूहिक आत्महत्या मामला- गठित की गई जांच टीम

चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा के पंचकूला जिले में सामूहिक आत्महत्या की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सेक्टर-27 स्थित एक मकान के बाहर खड़ी कार में एक ही परिवार के सात लोगों के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है और इस संवेदनशील मामले की तह तक जाने के लिए 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, डीसीपी हिमाद्री कौशिक और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीमों ने कार की गहन जांच की और साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। डीसीपी कौशिक ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे और प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी एंगल से जांच की जा रही है। फिलहाल सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।
पंचकूला पुलिस के मुताबिक, कार से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, लेकिन कुछ व्यक्तिगत सामान और पदार्थ ऐसे मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच को तेजी देने और किसी भी संभावित एंगल को नजरअंदाज न करने के निर्देश दिए हैं।

गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान पीएम मोदी का विपक्ष पर तंज

ऑपरेशन सिंदूर कैमरे के सामने किया, ताकि यहां कोई सबूत न मांगे

गांधीनगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष पर तंज कसा। उन्होंने सिंधू जल संधि का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पाकिस्तान हमसे सीधी लड़ाई में नहीं जीत पाया तो उसने आतंकियों को हमारे देश में भेजना शुरू किया। यानी उन्होंने प्रॉक्सी वॉर का सहारा लिया। जिसे हम आज तक प्रॉक्सी युद्ध कहते थे, 6 मई के बाद जो दृश्य देखने को मिले, उसके बाद हम अब इसे प्रॉक्सी युद्ध कहने की गलती नहीं कर सकते। हमने जिन आतंकियों को मिट्टी में मिलाया, वहां उनके जनाजों को सम्मान दिया गया, उसकी ताबूत पर पाकिस्तानी झंडे रखे गए। इससे पाकिस्तान का नापाक चेहरा सभी के सामने आ गया। मात्र 22 मिनट के भीतर 9 आतंकवादी ठिकानों की पहचान कर

उन्हें नष्ट कर दिया गया, तो यह एक निर्णायक कार्रवाई थी। इस बार सब कुछ कैमरों के सामने किया गया, ताकि घर पर कोई सबूत न मांग सके। हमें इस बार सबूत नहीं देना पड़ रहा है उधर वाले सबूत दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंधू जल संधि का जिक्र कर कहा कि हम अपने काम में लगे थे, प्रगति की राह पर चले थे, हम सबका भला चाहते हैं और मुसीबत में मदद भी करते हैं, लेकिन बदले में खून की नदियां बहती हैं। 1960 में जो सिंधु जल समझौता हुआ है अगर उसकी बारीकी में जाएंगे तो आप चौंक जाएंगे। उसमें यहां तक तय हुआ कि जो जम्मू-कश्मीर की अन्य नदियों पर बांध बने हैं उनकी सफाई का काम नहीं किया जाएगा। उसके लिए गेट नहीं खोले जाएंगे। 60 साल तक गेट नहीं खोले गए। जिसमें शत प्रतिशत पानी भरना चाहिए था धीरे-धीरे उसकी क्षमता कम हो गई। क्या मेरे देशवासियों को पानी पर अधिकार नहीं है क्या? अभी हमने कुछ ज्यादा किया नहीं है और वहां पसीना छूट रहा है। हमने सफाई शुरू की है, इतने से वहां बाढ़ आ जाती है।

लोकल फॉर वोकल पर फोकस

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 6 मई की रात को हमारे सशस्त्र बलों की ताकत के साथ ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ। अब, यह ऑपरेशन सिंदूर लोगों की ताकत के साथ आगे बढ़ेगा। जब मैं हमारे सशस्त्र बलों की ताकत और लोगों की ताकत की बात करता हूं, तो मेरा मतलब है कि हर नागरिक को देश के विकास में भागीदार बनना चाहिए। अगर हम सभी 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में योगदान देते हैं और अपनी अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर चौथे से तीसरे स्थान पर ले जाना चाहते हैं, तो हम विदेशी उत्पादों पर निर्भर नहीं रहेंगे। हमें गांव के व्यापारियों को यह संकल्प दिलाना चाहिए कि चाहे उन्हें कितना भी मुनाफा हो, वे विदेशी सामान नहीं बेचेंगे। लेकिन दुर्भाग्य से गणेश की मूर्तियां भी विदेश से आती हैं, छोटी आंखों वाली गणेश मूर्तियां, जिनकी आँखें ठीक से खुलती भी नहीं हैं। ऑपरेशन सिंदूर के लिए एक नागरिक के तौर पर मेरे पास आपके लिए एक काम है- घर जाइए और एक सूची बनाइए कि आप 24 घंटे में कितने विदेशी उत्पादों का उपयोग करते हैं। हमारे पास सब कुछ है। ऐसे में हमें अपनी चीजों को ही इस्तेमाल करना है, जो हमारे देश में बनी हो। एक या दो चीजों को छोडकर सब कुछ हमारे यहां उपलब्ध है।

सबसे बड़ी चुनौती सरकारी विभागों की एकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे देश में, चर्चाएं शासन के मॉडल के इर्द-गिर्द घूमती हैं और सबसे बड़ी चुनौती सरकारी विभागों की एकता है, विभाग एक-दूसरे से बात नहीं करते, अलग-अलग डेस्क पर बैठे सहकर्मी आपस में समन्वय नहीं रखते। कुछ हद तक, यह सच हो सकता है। लेकिन क्या इसका कोई समाधान है? मैं आपको इसकी पृष्ठभूमि बताता हूं। शहरी विकास के इस मुद्दे को अलग-थलग करके नहीं निपटाया गया।

मणिपुर राज्य परिवहन लिखी बस को रोकने पर शुरु हुआ विवाद

इंफाल।

मणिपुर में शिरुई लिली महोत्सव 2025 के दौरान सरकारी बस को सुरक्षा बलों द्वारा रोकने और उस पर अंकित 'मणिपुर राज्य परिवहन' शब्दों को ढकने की घटना ने विवाद पैदा कर दिया है। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने मामले में गंभीरता दिखाकर जांच समिति का गठन किया है, जो 15 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। मणिपुर के गृह विभाग द्वारा जांच समिति में गृह आयुक्त एन अशोक कुमार और आईटी सचिव टीएच किरण कुमार सिंह को शामिल किया गया है। यह समिति इंफाल पूर्वी जिले के ग्वालताबी चेक पोस्ट पर हुई घटना की जांच करेगी, जहां पत्रकारों को लेकर जा रही बस को कथित तौर पर रोका और उसके विंडशील्ड पर मणिपुर राज्य परिवहन को ढकने को कहा गया। घटना के बाद भाजपा के पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा ने एक टाली जा सकने वाली गलतफहमी बताया, लेकिन मणिपुर की अखंडता के मुद्दे पर स्पष्ट रुख दिखाकर कहा, इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा, अगर मणिपुर में मणिपुर नहीं लिखा जा सकता।

आरक्षित पदों पर भर्ती को लेकर रार!

नई दिल्ली। एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर होने वाली सरकारी भर्तियों को लेकर कांग्रेस और सरकार में रार शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि इस सरकार में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से व्यवस्थागत भेदभाव किया जा रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि योग्य उम्मीदवारों को नॉट फाउंड सुटेबल बताकर खारिज किया जा रहा है और यह एक नए तरीके का मनुवाद है। वहीं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी आज देश में झूठ और फरेब की सबसे बड़ी ब्रांड एंबेसडर बन गई है। उनका आरोप है कि कांग्रेस के शाही परिवार ने हमेशा एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को छलने का काम किया है, लेकिन कांग्रेस के नेताओं को अपने दलित विरोधी इतिहास का पता नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी आयातित टूलकिट के जरिए झूठ फैलाने में लगे रहते हैं।

5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान के मॉडल को मंजूरी

70 हजार किलो वजन लेकर उड़ेगा, रडार नहीं पकड़ सकेंगे

नई दिल्ली।

भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बेट एयरक्राफ्ट के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयरक्राफ्ट को बनाने के लिए सरकारी के साथ निजी कंपनियों को भी बोली लगाने का मौका दिया जाएगा।
एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी जल्द ही इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी करेगा। एयरक्राफ्ट बनाने में निजी कंपनियों को मौका देने की घोषणा से डिफेंस और इससे जुड़े सेक्टर्स की कंपनियों के शेयर्स में करीब 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स भी 52 सप्ताह के नए हाई 8,674.05 पर पहुंच गया।

एएमसीए प्रोजेक्ट को 2024 में मंजूरी मिली

अप्रैल, 2024 में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर जेट के डिजाइन और विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। यह फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है। एडीए इस प्रोग्राम के एक्जीक्यूशन और एयरक्राफ्ट डिजाइन करने के लिए नोडल एजेंसी है। एडीए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के तहत आता है। यह भारतीय वायु सेना के अन्य लड़ाकू विमानों से बेहतर होगा। दुश्मन के रडार से बचने के लिए हाईटेक स्टील्थ टेक्नोलॉजी से लैस होगा। इंटरनेशनल लेवल पर इस्तेमाल हो रहे 5वीं पीढ़ी के अन्य स्टील्थ लड़ाकू विमानों के जैसा या उससे भी बेहतर होगा।

प्रेम चोपड़ा-परेश रावल जैसे डायलॉग मार रहे मोदी: पवन

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों को न पकड़ पाने के लिए सरकार पर निशाना साधा। सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि देश को अब तक कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिले, जिनमें से एक है कि पाकिस्तान के साथ किन शर्तों पर सीजफायर समझौता हुआ। मोदी इन अहम सवालों के जवाब की बजाय फिल्मी डायलॉगबाजी कर रहे हैं और उनके सांसद ओछी राजनीति कर रहे। पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी कभी प्रेम चोपड़ा की तरह तो कभी परेश रावल की तरह डायलॉग मार रहे हैं। कभी कहते हैं कि सिंदूर मेरी रगों में बहता है। गोलियां खाओ, रोटियां खाओ जैसे डायलॉग बोल रहे हैं। क्या यही एक गंभीर नेता का व्यवहार होता है?

पवन खेड़ा ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि केंद्र की विदेश नीति ट्रोल्स तय कर रहे हैं। वे कभी इस्लामाबाद तो कभी कराची में हमला और कब्जा करवा देते हैं। मोदी सरकार को ट्रोल्स चला रहे हैं। वही इंस्पायर कर रहे हैं और वही ऑपरेट कर रहे हैं। इसका रिजल्ट सबके सामने हैं। प्रधानमंत्री खुद एक ट्रोलर की भाषा बोलने लगे हैं। ये बेहद चिंता का विषय है।
मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह से फेल

मंत्री विजय शाह मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

एसआईटी सुप्रीम कोर्ट में पेश करेगी रिपोर्ट

भोपाल।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देकर सुर्खियों में आए मप्र के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह मामले में एसआईटी टीम की जांच पूरी हो गई है। जांच दल ने इंदौर के मानपुर जाकर जांच की। विजय शाह के भाषण के दौरान वहां मौजूद प्रमुख लोगों के बयान लिए गए हैं। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एसआईटी अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। दरअसल, मंत्री विजय शाह ने 12 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तानियों ने हमारे देश के लोगों के कपड़े उतारे, लेकिन हमने उनकी समाज की बहन (कर्नल सोफिया कुरैशी) को भेजकर उनकी ऐसी तैसी करवा दी। मंत्री विजय के इस बयान के बाद मप्र से लेकर पूरे देश में कोहराम मच गया। हाईकोर्ट ने स्वत- संज्ञान लेते हुए विजय शाह पर 4 घंटे में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। हाईकार्ट के निर्देश पर इंदौर के महू के मानपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की तीन गंभीर धाराओं 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी फटकार लगाई। 19 मई को सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने आईपीएस आईजी सागर प्रमोद वर्मा, डीआईजी विशेष सशस्त्र बल कल्याण चक्रवर्ती और एसपी डिंडोरी वाहिनी सिंह की टीम बनाई।

देश की पहली महिला सीजेआई बनेंगी जस्टिस बी वी नागरत्ना

नई दिल्ली। जस्टिस बी वी नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम में शामिल होने वाली पहली महिला जज बन गई हैं। 23 मई को जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका के रिटायरमेंट के चलते 25 मई को जस्टिस नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सबसे सीनियर जज बन गईं।

आप के पूर्व विधायक की जमानत याचिका खारिज

मकोका एक्ट के तहत दर्ज है केस

नई दिल्ली।

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के तहत दर्ज मामले में आप के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी। दिल्ली पुलिस ने तर्क दिया था कि मामले की जांच अहम चरण में है। बाल्यान को जमानत दी गई तो वे जांच में बाधा डालेंगे।
याचिका खारिज करते हुए स्पेशल जज दिग्विजय सिंह ने कहा कि राहत देने के पर्याप्त आधार नहीं है। मामले में बाल्यान की यह दूसरी जमानत याचिका थी। इससे पहले 15 जनवरी को उनकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। वे जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। दिल्ली पुलिस ने 1 मई को मामले में बाल्यान के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। मामले में बाल्यान को पिछले साल 4 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था।

देश में कोरोना से 11 की मौत, 1047 एक्टिव केस

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 5 मौतें, एक हफ्ते में 787 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली।

देश में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 1047 हो गई है। सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस केरल में हैं। महाराष्ट्र में 208, दिल्ली में 104 और गुजरात में 83 केस हैं। कर्नाटक के 80 केसों में से सिर्फ 73 बेंगलुरु में हैं। वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें से नौ की मौत एक हफ्ते के भीतर हुई है। कोरोना से सबसे ज्यादा पांच मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। ठाणे में सोमवार को एक महिला की मौत हुई।

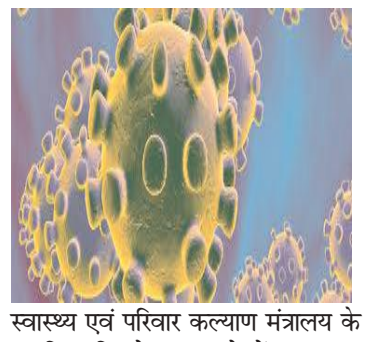

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में 787 नए मरीज दर्ज किए गए हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के डायरेक्टर डॉ राजीव बहल ने बताया कि अभी तक देश में 4 वैरिएंट मिले हैं। इनमें एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.1.8.1 वैरिएंट शामिल हैं।

24 घंटे में कोरोना से 3 मौतें

जयपुर में सोमवार को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दूसरी मौत प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था। इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। 24 मई को उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है।

मानसून का धमाकेदार आगाज:

नई दिल्ली/भोपाल।

केरल में 24 मई को मानसून की दस्तक के बाद लगातार बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है। बारिश-लैंडस्लाइड के चलते 29 घर ढह गए, 868 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं। निचले इलाके जलमग्न हैं। वहीं, महाराष्ट्र में दो लोगों की मौत हो गई। ठाणे में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 14 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने की वजह से अगले चार दिन तक आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून और मुंबई में 11 जून को पहुंचता है। देश में इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा ये 106 प्रतिशत रह सकती है। पिछले महीने इसे 105 प्रतिशत बताया गया था। वहीं, जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी।

पेप्सी बाटलिंग प्लांट के बाद अब कैंपा कोला, भूगर्भ जल का दोहन

बिहार के बेगूसराय की बिहार इंडस्ट्रियल एरिया डवलपमेंट आथोरिटी (बियाडा) क्षेत्र के आठ दस किलोमीटर के दायरे में पिछले तीन वर्षों के दौरान भूगर्भ जल का स्तर 20 से 30 फीट तक गिर गया है। ऐसा पेप्सी कंपनी के बाटलिंग प्लांट के कारण हो रहा है। भूगर्भ शास्त्री और स्थानीय नागरिकों का भी यही मानना है। यहां हर दिन 12 लाख लीटर पानी निकाला जा रहा है। इस कारण इस इलाके का जलस्तर लगातार गिर रहा है। कहते हैं प्लांट में मोटे मोटे आठ बोरिंग हुए थे, जिसमें दो ने पिछले साल से ही काम करना बंद दिया है। भूजल के लगातार दोहन से जल स्तर लगातार गिर रहा है। तीन साल पहले 15 से 20 फीट पर जल स्तर था, अब यह 40 से 50 फीट है। बोरिंग ने काम करना बंद कर दिया है और चापानल से भी कम पानी आ रहा है। आस पास के एक दर्जन गांवों के तीस से चालीस हजार लोग इस फैक्टरी का विरोध कर रहे हैं। अब तो जल भी दूषित हो गया है और पानी बदबू में भी आ रहा है। लोग चाहते हैं कि प्लांट बंद हो जाए या प्लांट अपने लिए दूसरी व्यवस्था करे। लोगों का कहना है कि पानी से बदबू भी आने लगा है।इसी बीच यह खबर है कि बेगूसराय में कैम्पा कोला की यूनिट बेगूसराय जिले के ग्रोथ सेंटर में स्थापित की जाएगी।इस परियोजना में कंपनी 1200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और यहां सॉफ्ट ड्रिंक्स का उत्पादन किया जाएगा। दावा यह किया जा रहा है कि बिहार में रिलायंस ग्रुप की पहली औद्योगिक यूनिट होगी, जो राज्य के औद्योगीकरण में एक नई दिशा तय करेगी।लोगों का कहना है कि पेप्सी प्लांट का सोशल ऑडिट होना चाहिए कि बेगूसराय के भू जल का करोड़ो लीटर उपयोग करने के बाद इस प्लांट से बेगूसराय के कितने बच्चों को रोजगार मिल रहा है द्य उसमें बेगूसराय की भागीदारी निश्चित होनी चाहिए उसके बाद ही केम्पा कोला को प्लांट लगाने की अनुमानित मिलनी चाहिए द्य जमीन जाए बेगूसराय का प्रदूषण झेले बेगूसराय रोजगार पाए सिर्फ बाहरी द्य

गांव वाले लगातार गिरते भू-जल स्तर की शिकायत लेकर स्थानीय सांसद गिरिराज सिंह के पास पहुंच रहे हैं । इसके बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, देखिए यहां के जनमानस, यहां के किसान, यहां के निवासी, चार साल हुआ है, पेप्सी का प्लांट जब से खुला है। अभी यहां गांव के किसान लोग हस्ताक्षर अभियान करा रहे हैं। पेप्सी के प्लांट के कारण जो भूजल स्तर गिरा है इससे सभी को कठिनाई हो रही है। पानी पीने में कठिनाई हो रही है साथ ही किसान को भी पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी पेप्सी के प्लांट को लेकर अपना विरोध जताया है, उनका कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस प्लांट का उद्घाटन करने आए थे तो उन्होंने कहा था कि पेप्सी गंगा से जल लेकर अपना उत्पादन करेगा और पानी हार्वेस्ट किया जाएगा, लेकिन न तो वो गंगा से जल ले रहे हैं और न ही हार्वेस्ट कर रहे हैं। प्लांट बंद करना होगा। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 अप्रैल 2022 को इस प्लांट का उद्घाटन किया था। लोगों को लगा था कि बेगूसराय का विकास होगा, लेकिन उद्घाटन के 3 साल बाद ही लोग चाह रहे कि प्लांट बंद हो जाए। जल स्तर में यह कमी सिर्फ पेप्सी के बॉटलिंग प्लांट वरुण बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड के आसपास ही नहीं, बल्कि असुरारी, बथौली, मालती, पपरौर, हवासपुर, बीहट से लेकर पकठौल तक के गांव में हो गई है।

लोग परेशान हैं, लेकिन इनकी कोई सुन नहीं रहा है। पिछले डेढ़ साल से आंदोलन जारी है। जब स्थानीय लोगों की बात किसी ने नहीं सुनी तो व्यापक पैमाने पर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया है। बेगूसराय स्थित बियाडा बरौनी की 55 एकड़ की जमीन पर है यह प्लांट। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रियम रंजन ने बताया कि 2022 में यहां पेप्सी प्लांट लगा। जब से प्लांट लगा है, जल संकट शुरू हो गया है। सिंचाई तक आफत हो गई है। जिस प्लांट को दक्षिण भारत, यूपी के हरदोई, बिहार के हाजीपुर से भगाया गया, हाजीपुर में अभी भी पानी की समस्या बरकरार है, उस प्लांट को हमारे माथे पर थोप दिया गया। हम लोग ऐसे ही पानी से जूझ रहे हैं। बेगूसराय वाले पहले ही दुनिया के प्रदूषित शहरों में है। एक पानी बचा था, उसकी भी स्थिति गड़बड़ा रही है। पानी में आयरन सहित ऐसे कई केमिकल मिल रहे हैं जो शरीर, त्वचा और जीवन के लिए हानिकारक हैं। पेप्सी से रोजगार तो मिला नहीं, ऊपर से हम लोग जल संकट झेल रहे हैं। तालाब सूखा है, हमारा पानी ही निकाल कर पूरी दुनिया को पहुंचाया जा रहा है। यह उत्तर भारत का सबसे अधिक क्षमता का बॉटलिंग प्लांट है। बीहट निवासी रंजना सिंह का कहना है कि पहले जलस्तर अच्छा था। हम लोग पानी से धनी थे, लेकिन जब से पेप्सी प्लांट लगा है, तब से पानी का दोहन हो रहा है। 10 फीट तक अगल-अलग इलाके में लेवल नीचे जा रहा है। हमारी आने वाली पीढ़ी को काफी परेशानी होगी।

ये समस्या बहुत आगे तक जाएगी। पेप्सी तो प्लांट बंदकर चला जाएगा, लेकिन हमारा परिवार-समाज पानी की समस्या से जूझता रहेगा। पेप्सी को भूगर्भीय जल नहीं निकालना चाहिए। बगल में गंगा जी हैं, वहां से पानी ले ले या फिर कोई अन्य व्यवस्था करे। भूगर्भीय जल हम गरीब लोगों के लिए है।असुरारी निवासी खिरण सिंह बताते हैं कि अब 100 फीट पाइप डलवाने पर पानी निकलता है। जब से पेप्सी आया है, तब से यही हाल है। इसका तो सिर्फ पानी का ही कारोबार है। 100 गाड़ी पानी रोज बाहर भेजा जाता है। पानी कहां से मिलेगा। पहले 40 फीट पर बोरिंग में काम चल जाता था, अब 100 फीट करवाना पड़ता है, तब पानी मिलता है।पपरौर निवासी रेखा देवी ने बताया कि पानी की बहुत समस्या है। पहले वैशाख में भी पानी की समस्या नहीं होती थी। अब चापाकल पानी ही नहीं देता है, जब से पेप्सी प्लांट खुला, यह हाल हो गया है। 10-20 हैंडल में थोड़ा सा पानी निकलता है, पानी बहुत बदबू देता है।उषा देवी ने बताया कि जब से पेप्सी प्लांट खुला है, काफी परेशानी है। पहले 10 बार चापाकल का हैंडल चलाने पर बाल्टी भर जाती थी, अब 25-30 हैंडल में भी बाल्टी नहीं भरती है। वह शुगर पेशेंट हैं लिहाजा चापाकल चलाने में बड़ी परेशानी होती है, स्नान करना मुश्किल हो जाता है। हम गरीब लोग किसको क्या कहें। मनोज कुमार पाठक का कहना है कि चापाकल का स्तर दिनों-दिन नीचे गिरता जा रहा है। पेप्सी खुलने के कुछ दिन बाद ही परेशानी शुरू हो गई। दिनों दिन जलस्तर नीचे ही जा रहा है, आने वाले समय में हम लोगों पर बहुत प्रभाव पड़ने वाला है। पानी खरीदना पड़ेगा । राजकुमार राय ने बताया कि पेप्सी का प्लांट लगने से पानी का लेयर काफी नीचे चला गया है।

इतिहास बना सियासी हथियार : मुस्लिम शासक पाठ्यक्रम से गायब

" हिंदुत्व विचारधारा तो इस हद तक आगे बढ़ गई है कि उसने इस कालखंड को अंधकारमय दौर बताया जिसमें हिंदुओं को व्यापक नरसंहार किया गया। इसमें कोई शक नहीं कि साम्राज्यों के दौर में राजनैतिक वजहों से युद्ध होना आम बात थी। राजा सदैव अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहते थे और इस प्रक्रिया में बहुत से लोगों को अपनी जान गवांना पड़ती थी। लेकिन इसे व्यापक नरसंहार बताना पूरी तरह गलत है। हिन्दुत्व आख्यान के मूल में है साम्प्रदायिक नजरिए से इतिहासलेखन जो अंग्रेजों ने अपनी 'फूट डालो और राज करो' की नीति के तहत करवाया था। इसमें राजाओं के समस्त निर्णयों को उनके धर्म से जोड़ा जाता है और राजाओं को उनके धार्मिक समुदाय के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।"

नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर धीरे-धीरे अमल किया जा रहा है। अन्य बातों के अलावा, इसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं भारतीय परंपराओं को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इतिहास विषय के पाठ्यक्रम में यह बदलाव किया गया है कि दिल्ली सल्तनत एवं मुगल शासन का विवरण पुस्तकों से हटा दिया गया है। मतलब करीब सात सौ सालों के इतिहास को मिटा दिया गया है। यह किसी भी पैमाने पर एक लंबा कालखंड है। एनसीईआरटी ने पहले मुगलों और दिल्ली सल्तनत का विवरण कम कर दिया था - जिसमें तुगलक, खिलजी, ममलुक और लोधी साम्राज्यों की जानकारी और दो पृष्ठों की तालिका, जिसमें मुगल सम्राटों की उपलब्धियां की जानकारी थी, को हटाना शामिल था। यह विवरण 2022-23 में कोविड-19 महामारी के दौरान पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के बहाने हटा दिया गया था। अब नई पाठ्यपुस्तक में उनका विवरण पूरी तरह से गायब कर दिया गया है।'

दिल्ली सल्तनत और मुगल शासकों का विवरण कक्षा 7 की पाठ्यपुस्तक से पूरी तरह हटा दिया गया है। इसके अलावा जिन अन्य पाठ्युपुस्तकों में जहां भी मुस्लिम शासकों का जिक्र था, उसे भी हटा दिया गया है। बाबरी मस्जिद ढ़हाए जाने के बाद मुंबई में हुई हिंसा (1992-1993) और गोधरा ट्रेन आगजनी के बाद गुजरात में हुई हिंसा (2002) का विवरण भी विलोपित कर दिया गया है। कई अन्य बातों के अतिरिक्त नाथूराम गोडसे के एक प्रशिक्षित आरएसएस प्रचारक होने और गांधीजी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात भी हटा दी गई है। कुंभ मेले का विवरण दिया गया है लेकिन वहां हुई भगदड़ में हुई मौतों और दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ का कोई जिक्र नहीं है। इस सबकी शुरूआत कोविड के दौरान हुई जब विद्यार्थियों का बोझा कम करने के बहाने पाठ्यक्रम से कुछ सामग्री हटाई गई और उसके बाद 'युक्तियुक्तकरण' का तर्क देते हुए ऐसा किया गया। हटाया गया हिस्सा वह था जिसे लेकर हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा वाले असहज महसूस करते थे।

मुसलमानों का दानवीकरण करने और उनके खिलाफ घृणा फैलाने के लिए मुगलों को इतिहास के प्रमुखतम खलनायकों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। मुगलों के पहले के अलाउद्दीन खिलजी जैसे शासक भी हिंदुत्ववादी आख्यान के निशाने पर रहे हैं। अब तक

मुसलमानों का दानवीकरण मुस्लिम राजाओं द्वारा मंदिरों को नष्ट किए जाने पर आधारित होता था, जिसे तर्कवादी इतिहासकार चुनौती देते रहे हैं। मुस्लिम राजाओं द्वारा तलवार की नोंक पर इस्लाम फैलाया जाना भी इसका एक आधार रहा है। यह बात पूरी तरह गलत है क्योंकि शुरूआती दौर में हिन्दुओं के इस्लाम स्वीकार करने की वजह मुस्लिम अरब व्यापारियों के साथ भारतीयों का मेल-मिलाप था। बाद में निचली जातियों के कई लोगों ने जाति प्रथा पर आधारित जुल्मों से मुक्ति पाने के लिए इस्लाम अपनाया।

हिंदुत्व विचारधारा तो इस हद तक आगे बढ़ गई है कि उसने इस कालखंड को अंधकारमय दौर बताया जिसमें हिंदुओं को व्यापक नरसंहार किया गया। इसमें कोई शक नहीं कि साम्राज्यों के दौर में राजनैतिक वजहों से युद्ध होना आम बात थी। राजा सदैव अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहते थे और इस प्रक्रिया में बहुत से लोगों को अपनी जान गवांना पड़ती थी। लेकिन इसे व्यापक नरसंहार बताना पूरी तरह गलत है। हिन्दुत्व आख्यान के मूल में है साम्प्रदायिक नजरिए से इतिहासलेखन जो अंग्रेजों ने अपनी 'फूट डालो और राज करो' की नीति के तहत करवाया था। इसमें राजाओं के समस्त निर्णयों को उनके धर्म से जोड़ा जाता है और राजाओं को उनके धार्मिक समुदाय के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

हिन्दू साम्प्रदायिक इतिहासलेखन में एक कदम और आगे बढ़कर यह दावा किया गया कि मुसलमान और ईसाई 'विदेशी' थे जिन्होंने हिन्दुओं को सताया। मुस्लिम साम्प्रदायिक इतिहासलेखन में इसी सिक्के के दूसरे पहलू को दिखाया गया जिसमें मुसलमान शासक थे और हिन्दू उनके अधीन उनकी प्रजा थे। उन्होंने यह तस्वीर प्रस्तुत की कि मुसलमानों का यहां का शासक होना पूर्णतः तर्कसंगत था।

यह नजरिया बाद में अंग्रेजों के लिए बहुत मददगार साबित हुआ और उन्होंने हमारे मिले-जुले समाज को बांटकर हमारे देश को दो भागों - भारत और पाकिस्तान में बांट दिया। सावरकर ने यह मत व्यक्त किया कि इस देश में दो राष्ट्र हैं, और जिन्ना ने इसी बात को आगे बढ़ाते हुए मुसलमानों के लिए एक अलग राष्ट्र, पाकिस्तान की मांग सामने रख दी। पाकिस्तान अपने निर्माण के समय से ही मुस्लिम साम्प्रदायिकता के चंगुल में फंस गया और जहां तक वहां की पाठ्यपुस्तकों का संबंध है, उन्होंने पाकिस्तान का उद्भव मोहम्मद बिन कासिम के समय, यानि आठवीं शताब्दी से प्रस्तुत किया। इस समय उनकी पाठ्यपुस्तकों में हिंदू शासकों के बारे में एक शब्द भी नहीं है। मुस्लिम साम्प्रदायिक तत्वों द्वारा हिंदुओं के बारे में फैलाई जा रही घृणा स्कूली पाठ्यक्रम से हिंदू राजाओं और संस्कृति का विवरण पूरी तरह से हटाने के साथ अपने शिखर पर पहुंच गई। एक तरह से पिछले तीन दशकों से भारत, पाकिस्तान की राह पर चल रहा है। पाकिस्तान के घटनाक्रम को पूरी तरह से यहां दुहराया जा रहा है। इस बात को पाकिस्तान की कवियत्री फहमिदा रियाज ने बहुत अच्छी तरह अपनी कविता में दर्शाया था - ''अरे तुम भी हम जैसे निकले, अब तक कहां छुपे थे भाई'।

भारतीय शिक्षा प्रणाली पर हिंदू साम्प्रदायिक तत्वों के पूरी तरह काबिज होने के पहले भी आरएसएस शाखाओं के जरिए समाज के साम्प्रदायिक संस्करण को शाखा बौद्धिकों, एकल विद्यालयों और शिशु मंदिरों जैसी कई पहलों के जरिए फैलाया जा रहा था। समय के साथ मुख्यधारा का मीडिया और सोशल मीडिया भी इसमें उनका हाथ बंटाने लगा।

संस्कृति सतत विकसित होती रहती है। इतिहास के जिस कालखंड को उलट-पुलट करने में हिन्दुत्ववादी शक्तियां जुटी हैं, उसके दौरान कई सामाजिक बदलाव हुए। वास्तुकला, खानपान वस्त्रों और साहित्य में तो परिवर्तन हुए ही, साथ ही धर्मों के मिलन से भक्ति और सूफी परंपराएं विकसित हुईं। इसी काल में सिक्ख धर्म की स्थापना हुई और वह फला-फूला।

अब इस राजनैतिक विचारधारा को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। अब मुस्लिम शासक तो हैं नहीं, तो वे मुसलमानों का दानवीकरण किस प्रकार करेंगे? औरंगजेब और बाबर की जगह लेने के लिए नए पैंतरे तैयार किए जा रहे होंगे क्योंकि अब वे तो किसी काम के रहे नहीं!

इतिहास राष्ट्रवाद के विचार का केन्द्रीय तत्व है। एरिक फॉर्म के अनुसार इतिहास का राष्ट्रवाद के लिए वही महत्व है जो अफीम की लत वाले के लिए अफीम का होता है। जबसे भाजपा 1998 में एनडीए के रूप में सत्ता पर काबिज हुई, उसने जो सबसे बड़ा काम किया उसे 'शिक्षा का भगवाकरण' कहा जाता है। इसके अंतर्गत इतिहास का विवरण देते समय वीर और यशस्वी हिंदू राजाओं के दुष्ट और आक्रामक मुस्लिम राजाओं के टकराव का आख्यान पेश किया जाता है। यह आरोप लगाया जाता है कि अब तक इतिहासलेखन वामपंथी इतिहासविद् करते रहे, जिन्होंने दिल्ली के शासकों को केन्द्र में रखा और जो मुस्लिम-समर्थक थे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि पाठयपुस्तकों में किसी विशिष्ट वंश का विवरण उनके शासनकाल की अवधि के अनुपात में दिया जाता था। 1980 के दशक तक की इतिहास की पुस्तकों में हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों के राजाओं का अच्छा खासा विवरण रहता था। विवरण सिर्फ धर्मों पर केन्द्रित नहीं रहता था बल्कि समुदायों का समग्र विवरण दिया जाता था जिसमें व्यापार, संस्कृति व साहित्य सहित अन्य क्षेत्रों की जानकारी भी रहती थी।

यह सच है कि अपने भविष्य के निर्माण के लिए हमें शासकों यानि राजाओं पर केन्द्रित इतिहास की जरूरत नहीं है। हमें समाज के विभिन्न तबकों, दलितों, महिलाओं, आदिवासियों और कारीगरों पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जिन्हें इन आख्यानों में पर्याप्त स्थान हासिल नहीं हो सका है।

आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर,परिवार,संयुक्त परिवार एक मज़बूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने,उनके फैसलों पर अमल करनें,आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख,अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे देश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गों को नजरअंदाज कर, एकला चलो रे !वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथों में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है,इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छूटने की करें तो, उम्र के फ़र्क़ के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है, मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी ज़रूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस !यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता- पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पता ही नहीं चलता कि आख़िर वजह क्या है।इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिज़ाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेज़ी से और रातों रात हो रहा है, बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं जिसको रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोज़गार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुजुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मज़बूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते, स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाज़ा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज़्यादा क़रीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है, हर कोई बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुजुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुज़रते दौर के साथ ये स्थिति और मज़बूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मज़बूत होते हैं, वो आसानी से ख़त्म नहीं होते, लिहाज़ा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चलन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आने वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी।

साथियों बात अगर हम उस एक पुराने जमाने की करें जहां संयम, बड़ों की कद्र और संयुक्त परिवार से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और फैसला लेना बड़ों के हाथ में रहता था तो, उस दौर में संयम, बड़ों की कद्र, छोटे बड़े का कायदा, नियंत्रण इन सब बातों का प्रभाव था। ऐसे ही संयुक्त परिवारों से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और पूरा मोहल्ला और गांव एक परिवार की ही तरह रहते थे।परिवार का नहीं, मोहल्ले का बुजुर्ग सबका बुजुर्ग माना जाता था और ऐसे बुजुर्गों के सामने जुबान चलानें या किसी अप्रिय कृत्य करने का साहस किसी का नहीं होता था। उस दौर में मोहल्लों में ऐसा माहौल और अपनापन होता था कि गांव का दामाद या मोहल्ले का दामाद कहकर लोग अपने क्षेत्र के दामाद को पुकारते थे और अगर कोई भानजा है तो किसी परिवार का नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले और गांव का भानजा माना जाता था और यही कारण था कि लोग गांव की बेटी या गांव की बहू कहकर ही किसी औरत को संबोधित करते थे जो रेखांकित करने वाली बात है। साथियों बात अगर हम आओ घर को टूटने से बचाने के आसान उपायों की करें तो, एक संयुक्त परिवार और बड़े बुजुर्गों के निर्देशन में जीने का सही तरीका है? स्वार्थ भावना से दूर रहकर, खुद से पहले दूसरों की खुशी का ध्यान रखना होगा और हमारा परिवार हमारी खुशी का ध्यान रखेगा।अपने कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश हमेशा होनी चाहिए। बड़ो के प्रति आदर भाव और छोटों के प्रति प्रेम होना चाहिए। घर छोटा हो या बड़ा लेकिन दिल हमेशा बड़ा होना चाहिए। अपनी इच्छाओं से पहले परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। संयुक्त परिवार में मेरा कुछ नहीं होता जो भी होता है वो सबका होता है। कुछ बातों को नजरअंदाज करने की कला तो कुछ बातों पर ध्यान देने की कला आनी चाहिए। हर खुशी बड़ी हो जाती है और हर दुख छोटा सयुक्त परिवार में। साथ बैठने का और साथ खाने का महत्व समझना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

सुगम्य भारत अभियान का प्रशिक्षण सम्पन्न

इन्दौर। सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों को सार्वजनिक भवनों में बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के अधिकारी-कर्मचारियों को एक दिन का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। देवी अहिल्या बाई होलकर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट इन्दौर के अधिकारियों, कर्मचारियों व एयर लाइन्स स्टॉफ को सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिये बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का शुभारंभ एयरपोर्ट डायरेक्टर वी. के. सेठ ने किया। प्रथम सत्र में पवन चौहान, नितिंद्र बड़जात्या, डॉ. डॉली जोशी व अन्तराष्ट्रीय पैरा ओलम्पिक एथलीट पूजा गर्ग ने प्रशिक्षण दिया। दूसरे सत्र में बधिरता से सम्बन्धित दिव्यांगजनों को आने वाली समस्याओं और उसके निदान पर प्रकाश डाला गया। बौद्धिक दिव्यांगजनों को एयरपोर्ट पर आने वाली कठिनाई और उसे किस तरह से दूर किया जाना चाहिए कि जानकारी दी गई। मूक बधिर संगठन से विशेषज्ञों के रूप में श्रीमती नेहा पुरंदरे, श्रीमती शुचि पेट्रीक तथा बौद्धिक दिव्यांगता के स्पेशल टीचर डॉ. अनिता शर्मा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय अमोल ठाकुर एयरपोर्ट अथॉरिटी इंचार्ज द्वारा किया गया।

30 वर्षों से सतत् सेवारत नर्सों का किया सम्मान

इन्दौर । नर्सिंग ऑनर्स सोसाइटी ने मरीजों की देखभाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली नर्सों के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में 30 से अधिक वर्ष सेवा करने और चिकित्सा के क्षेत्र में अहम योगदान देने वाली नर्सों का सम्मान किया गया। इन्होने कोविड-19 जैसे महामारी के समय भी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का पालन करते हुए लोगों की सेवा की थी। नर्सिंग ऑनर्स सोसाइटी द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में सुनीता केकरे, इंदु देशपांडे और सुमो फत्रोद को क्लिनिकल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर पद्मश्री जनक पलटा ने नर्सों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में शामिल नर्सों ने अपनी जिम्मेदारियों का सही से पालन करने व नर्सिंग क्षेत्र को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

तिरंगा यात्रा मे उमड़ा जनसैलाब

इन्दौर । विधायक मधु वर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं एमआइसी सदस्य अभिषेक शर्मा के आतिथ्य में राऊ विधानसभा के वार्ड 79 व वार्ड 81 के रहवासियों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर और सैनिकों के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा मे जनसैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा विदुर नगर 60 फीट रोड से शुरू हुई होकर सूर्य देव नगर बी सेक्टर मां अहिल्या उद्यान पर समाप्त हुई। इस दौरान सम्पूर्ण यात्रा मार्ग पर जगह जगह मंच लगा यात्रा में शामिल देशप्रेमियों का पुष्प वर्षा कर सम्मान किया गया।

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिए कराना होगा ऑनलाइन पंजीयन

इन्दौर। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को ऑनलाइन पंजीयन कराना होगा। जिले के समस्त कृषक के पंजीयन के लिए 30 जून 2025 तक विशेष पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित समस्त उद्यानिकी योजनाओं अंतर्गत लाभ लेने हेतु विभाग के mpfsts portal पर पंजीयन /आवेदन किया जा सकता है। पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेज जैसे-फोटो, आधार कार्ड, बैंक पास बुक, खसरा बी-1, अजा/अजजा वर्ग हेतु प्रमाण पत्र होना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग के उप संचालक ने बताया कि विकासखंड स्तर पर वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी एवं कार्यालय उप संचालक उद्यान पता चिड़ियाघर के पास ए.बी. रोड़ इन्दौर पर सम्पर्क कर सकते है।

काव्य पाठ और सम्मान समारोह आज

इन्दौर । स्थानीय जाल सभागार में आज 28 मई को शाम 7 बजे संस्कृति विभाग, जिला प्रशासन और देवी श्री अहिल्या जन्मोत्सव समिति द्वारा देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती के मौके पर सम्मान समारोह और काव्य गोष्ठी का आयोजन आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में बड़ी संख्या में कवि और कलाकार भागीदारी करेंगे। आयोजन में अहिल्याबाई पर भी कविताएं पढ़ी जाएगी तथा वरिष्ठ साहित्यकारों और कवियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

जल बचायें, क्योंकि जल की हर बूंद में समाया है जीवन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने शीतलदास की बगिया में घाटों की सफाई की, सफाई मित्रों को किया सम्मानित

जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार की सुबह भोपाल शहर स्थित शीतलदास की बगिया पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बड़े तालाब के घाटों की सफाई में सेवा कार्य (श्रमदान) किया और सफाई मित्रों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां घाटों की सफाई की। मुख्यमंत्री ने सफाई नौका में बैठकर सफाई कर्मियों से चर्चा की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने नागरिकों से जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने की आत्मीय अपील भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नागरिकों से आव्हान किया कि हर संभव तरीके से जल बचाईये, क्योंकि जल की हर बूंद में जीवन है, अमृत है। इसकी हर बूंद में हमारा सुनहरा भविष्य समाया है। जल बचाना हमारी आज की जरूरत भी है और बेहतर कल के लिए

जिम्मेदारी भी। आज जल बचेगा, तभी हमारा कल सुरक्षित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संरक्षण के लिए सभी संभव उपाय किये जायें। जल बचाना सिर्फ सरकार की ही क्यूं, पूरे समाज, हर वर्ग, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। आज जल सहजेंगे, तभी तो हमारा आने वाला कल संवरेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी जल स्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन और सतत उपयोग के लिए लगातार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान इसी दिशा में एक ठोस कदम है, जिसके तहत पुरानी बावड़ियों, कुंओं, तालाबों, सरोवरों और अन्य परम्परागत जल स्रोतों का जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी अपने-अपने स्तर पर पानी बचाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जल है तो कल है, यह पुण्य भावना प्रदेश के हर नागरिक के मन में होनी ही चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सफाई मित्रों को ÷सफाई दूत÷ निरुपित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक औपचारिक अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की शैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। जहां स्वच्छता होती है, वहीं लक्ष्मी का वास होता है।

उन्होंने नागरिकों से कहा कि अपने घर, आस-पड़ोस और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय सहभागिता दें और जल स्रोतों की स्वच्छता व संरक्षण को प्राथमिकता दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में सबकी सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बावड़ी का जीर्णोद्धार कार्य पूरी गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ पूर्ण किए जाएं। इस दौरान लोकसभा सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम सभापति श्री किशन सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त, अन्य अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। नगर निगम भोपाल के जोन क्रमांक 05 वार्ड क्रमांक 09 में स्थित जल संरचनाओं में बड़े बाग की बावड़ी का महत्वपूर्ण स्थान है। बावड़ी का निर्माण लगभग 200 वर्ष पूर्व किया गया था। बावड़ी तीन मंजिला है, इसकी दीवार सीढ़ियों और मुंडेर से लेकर मेहराब तक बेल पत्तियां बनी है।

बड़ा बाग की पुरानी बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का अवलोकन भी किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शीतलदास की बगिया से बड़ा बाग स्थित ऐतिहासिक पुरानी बावड़ी पहुंचें और वहां जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर निगम भोपाल द्वारा कराए जा चल रहे जीर्णोद्धार कार्यों का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 卐विरासत से विकास卐 की सोच के साथ आगे बढ़ रही है और पुरानी विरासतों के संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए अद्भुत व्यवस्थाएं बनाई थीं। आज जरूरत है कि हम उन ऐतिहासिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन करें और उन्हें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संजोकर रखें। उन्होंने सभी नागरिकों से जल संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इंदौर कलेक्टर ने मेट्रो स्टेशन का लिया जायजा

31 मई को पीएम मोदी वर्चुअली करेंगे शुभारंभ; मेट्रो की येलो लाइन पर होंगे 28 स्टेशन

इंदौर

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने मंगलवार को गांधी नगर मेट्रो स्टेशन का दौरा कर लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का शुभारंभ करेंगे। इस

दौरान नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा और मेट्रो के अधिकारी भी उपस्थित थे। बता दें, लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का सुपर प्रॉयोरिटी कॉरिडोर है। जिसमें 5 स्टेशन गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन शामिल हैं। यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा। साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा। यह सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इंदौर की आधुनिकता की ओर बढ़ती दिशा का प्रतीक भी है। इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लंबी (22.62 किमी एलेवेटेड एवं 8.7 किमी भूमिगत) इस मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान, तेज और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे। मेट्रो के 31.32 किलोमीटर के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7500 करोड़ रुपए है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन होना है जिसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रुपए है। यह परियोजना इंदौर को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दवाइयों पर जीरो जीएसटी के लिए वित्त मंत्री के नाम पत्र सौंपा

इन्दौर।

वित्त मंत्री के नाम पत्र लिखकर एमपीएमएसआरयू इंदौर इकाई के प्रतिनिधि मंडल ने फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार दवाओं पर जीरो जीएसटी की मांग की है। वित्त मंत्री के नाम यह पत्र इंदौर इकाई के प्रतिनिधि मंडल ने इंदौर स्थित जीएसटी सहायक आयुक्त को सौंपा। सचिव मनीष ठक्कर ने बताया, देश की ज्यादातर आबादी गरीबी की सीमा के नीचे जीवन बसर कर रही है। दवाओं और इलाज पर जीएसटी को तुरंत समाप्त करना चाहिए। इस दौरान हितेश पारेख, दिलीप कठवा, सचिन बैरागी व रामपाल पटेल आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई पर धोखाधड़ी का केस:इनाम की जमीन पर कर लिया कब्जा, इंदौर के कांग्रेस जिला अध्यक्ष भी बनाए गए आरोपी

इंदौर।

तेजाजी नगर पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भरत पटवारी और नाना पटवारी सहित इंदौर के जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। जमीन पर कब्जा करने और धमकाने के लिए उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 336, 337, 338, 339 और 340 लगाई गई हैं। महावीर बाग निवासी 74 वर्षीय नरेंद्र मेहता उनके खिलाफ शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे थे। मेहता के मुताबिक यादव और पटवारी के लोगों ने 29 मार्च 2025 को उनकी ग्राम उमरी खेड़ी में स्थित सर्वे नंबर 1, 2,

3 और 4 साढ़े छह एकड़ जमीन पर जबरिया कब्जा कर लिया। सदाशिव यादव 15-20 लोगों को लेकर आए और डरा-धमकाकर मेहता को जमीन से निकाल दिया और अब उस भूमि पर कॉलोनी डेवलप कर रहे हैं। जिसका सोशल मीडिया पर विज्ञापन भी शुरू कर दिया है।

नवरतनमल जैन के नाम दर्ज है जमीन

यह जमीन होलकर रियासत ने फरवरी 1939 में इनाम स्वरूप नारायण पलसीकर को दी गई थी। नरेंद्र मेहता ने बताया कि उनके पिता नवरतनमल जैन ने 1950 में इस जमीन की विक्रय संधि के तहत ऋणों का निपटान करते हुए खरीदी थी और तभी से उस पर उनका अधिकार बना हुआ है। प्रदेश की राजस्व संहिता में वह इसके स्वामी हो गए।

जान से मारने की धमकी दी

मेहता ने बताया कि आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है। इस भूमि पर उन्होंने एक कमरे का निर्माण भी कर लिया है और सोशल मीडिया पर जमीन बेचने का प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब वह भूमि पर जाते हैं तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर रुपए की मांग करते हैं।

फर्जी डाक्यूमेंट बनाए

मेहता ने बताया कि आरोपियों ने राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर फर्जी डाक्यूमेंट तैयार करवा लिए हैं, पर राजस्व विभाग के अभिलेखों में यह भूमि अभी भी उनके पिता नवरतनमल जैन के नाम है। राजस्व रिकॉर्ड में जैन के नाम पर पर्ची चिपकाकर सदाशिव यादव का नाम लिखा गया है। मेहता ने मामले में राजस्व अधिकारियों से भी शिकायत की है।

पकड़ाए चरस तस्करों की निशानदेही पर, यूपी से बड़े चरस सप्लायर को उठा लाई क्राइम ब्रांच की टीम

इन्दौर।

दो दिन पहले हुन्डई कार से चरस तस्करी करने वाले दो तस्कर अब्दुल रईस और मोहम्मद बाबर को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा था। उनसे पूछताछ और उनकी निशानदेही पर अब क्राइम ब्रांच की टीम ने यूपी से चरस के प्रमुख सप्लायर को गिरफ्तार किया है। ये दोनों उससे ही चरस की खेप लाते थे। डीसीपी क्राइम राजेशकुमार त्रिपाठी के अनुसार दो दिन पहले क्राइम ब्रांच ने इंदौर में दो तस्कर अब्दुल रईस निवासी बड़वानी और मोहम्मद बाबर निवासी मल्हार पल्टन को गिरफ्तार किया था। इनके पास से एक ह्युडई कार जब्त हुई थी, जिसमें ये एक किलो चरस लेकर आए थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे कानपुर के तस्कर से ये खेप लेकर आए थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वझर हनुमान मंदिर प्रांगड़ में की गई साफ सफाई

इंदौर/महेश सिनकर

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकीय विभाग म.प्र. शासन) निवाली सेक्टर में जल गंगा सवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम वझर स्थित हनुमान मंदिर प्रांगड़ में साफ - सफाई का कार्य किया गया, साफ सफाई के पश्चात मंदिर परिसर में स्थित क्षतिग्रस्त सोखता गड्ढे को ठीक कर नाली का निर्माण किया गया साथ ही वट सावित्री पूजन के अवसर पर मंदिर परिसर में संगोष्ठी एवं पौधारोपण किया गया। तत्पश्चात जन अभियान परिषद निवाली के ब्लॉक समन्वयक श्री आपसिंह चौहान द्वारा विद्यार्थियों, ग्रामीण जनों एवं भक्तों को जल संरक्षण की शपथ दिलाकर वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया । इस अभियान के लिए आवश्यक सामग्री जैसे गैती, पावड़ा, तगारी एवं अन्य संसाधन की व्यवस्था सेक्टर प्रभारी श्री रामलाल सोलंकी द्वारा की गई। कार्यक्रम में नवांकुर शरवद ब्राह्मने मेंटर राकेश चौहान, विशाल सूर्यवंशी आनंद खोटे, दीपक झरिया, जन अभियान परिषद के विद्यार्थी, ग्रामीण जन तथा भक्तों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

13 साल की बच्ची 24 सप्ताह का गर्भ पुलिस ने नहीं लिखी रिपोर्ट

इंदौर।

अपहरण और दुष्कर्म का शिकार हुई एक बच्ची के गर्भ में 24 सप्ताह का शिशु है। बच्ची की उम्र 13 साल की है। पीड़ता के परिवार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गर्भ गिराने की अनुमति मांगी थी। हाईकोर्ट ने मेडिकल बोर्ड गठित कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए थे। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर हाईकोर्ट ने गर्भपात की अनुमति दे दी है। इस मामले में एक आश्चर्यजनक बात सामने आई। याचिका करता के वकील ने हाईकोर्ट को बताया बच्ची के साथ जब दुष्कर्म किया गया था। उस समय उसके परिजन रिपोर्ट लिखाने पुलिस के पास गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट नहीं लिखी। उसके बाद जब गर्भपात गिराने के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज करने के लिए गए, तब भी शिकायत नहीं लिखी गई। पुलिस और अस्पताल के चक्कर लगाते रहे। कहीं से कोई कार्यवाही नहीं हुई तब जाकर हाईकोर्ट से गर्भ गिराने की याचिका दाखिल की। हाईकोर्ट से अनुमति तो मिल गई है। लेकिन इस मामले में अभी तक दोषियों के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे पीड़ित परिवार आहत है।

हनीमून पर गए इंदौर के दंपती शिलांग में लापता, लावारिस मिली स्कूटी, मोबाइल तीन दिन से बंद; मंत्री विजयवर्गीय ने शाह को दी जानकारी

इंदौर

इंदौर के नवदंपती राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी शिलांग में हनीमून के दौरान लापता हो गए हैं। दोनों की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। वे 20 मई को हनीमून के लिए रवाना हुए थे। बताया जा रहा है कि दंपती की आखिरी लोकेशन शिलांग के संवेदनशील इलाके ओसरा हिल में मिली, जहां उनकी किराए की एक्टिवा लावारिस हालत में पाई गई। राजा रघुवंशी इंदौर में ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करते हैं। इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा से फोन पर बात कर कार्रवाई का अनुरोध किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी गृह मंत्री अमित शाह को मामले की जानकारी दी। इंदौर पुलिस शिलांग के पुलिस अफसरों के संपर्क में हैं। दोनों की

सर्चिंग में टीम जुटी हुई है।

परिवार के अनुसार दंपती 20 मई को इंदौर से बेंगलुरु होते हुए गुवाहाटी पहुंचे, जहां मां कामाख्या के दर्शन करने के बाद 23 मई को मेघालय के शिलांग रवाना हुए। शिलांग पहुंचने के बाद शुरुआत में परिवार का दोनों से संपर्क बना रहा, फिर संपर्क टूट गया। राजा के बड़े भाई सचिन रघुवंशी को पहले लगा कि नेटवर्क का इशू होगा, लेकिन 24 मई से दोनों के मोबाइल बंद हो गए तब चिंता हुई। कई प्रयासों के बाद जब कोई संपर्क नहीं हो सका, तो सोनम के भाई गोविंद और राजा के भाई विपिन इमरजेंसी फ्लाइट से शिलांग पहुंचे हैं। गोविंद ने गूगल मैप के जरिए उनके फोटो से आस-पास की लोकेशन ट्रेस कर पता लगाया तो रेंट पर एक्टिवा देने वाले की जानकारी मिल गई।

प्राचीन मंशापूर्ण शनि मंदिर पर दिनभर जुटा रहा भक्तों का मेला ; शनि कष्ट निवारण पुस्तिका का वितरण भी

इन्दौर।

जिंसी चौराहा स्थित प्राचीन मंशापूर्ण शनि मंदिर पर चल रहे तीन दिवसीय शनि जयंती महोत्सव में मंगलवार को सुबह से रात तक शनि जयंती के मुख्य महापर्व पर भक्तों का मेला जुटा रहा। सुबह पूजा-अर्चना एवं श्रृंगार के पश्चात वट पूजा, यज्ञ-हवन और अन्य अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर शनिदेव से देश एवं प्रदेश में सुख, शांति एवं सदभाव के लिए प्रार्थना की। शनिदेव का श्रृंगार दर्शन करने के लिए भक्तों की कतारें लगी रही। क्लब के अध्यक्ष श्याम अग्रवाल एवं सतीश सेन ने बताया कि मंदिर पर सुबह से ही भक्तों का आगमन शुरू हो गया था। विद्वान आचार्यों के निर्देशन में सुबह पुष्प श्रृंगार के पश्चात पूजा-अर्चना और अभिषेक के बाद छप्पन भोग समर्पित किए गए। वट पूजा और यज्ञ-हवन में भी दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। सैकड़ों भक्तों ने अलग-अलग समूह में आकर शनिदेव की प्रसन्नता के लिए प्रार्थना की और उनसे समाज में सुख, शांति और सदभाव के लिए कामना की।

खास मल्हारगंज तहसील भवन को एक साल से उद्घाटन का इंतज़ार -

20 गांव के किसानों को लगाना पड़ रहा 20 कि.मी. का चक्कर ; कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

इन्दौर।

सुपर कारीडोर के समीप भवरासला में मल्हारगंज तहसील भवन बनकर लंबे समय से तैयार है, इसके उद्घाटन में लेटलतीफी होने से यहां के ग्रामीणों में रोष है। किसानों ने कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा, जिसमें मांग की गई है कि नए भवन में तहसील कार्यालय शीघ्र प्रारंभ किया जाए।

मल्हारगंज तहसील में छोटा व बड़ा बगडदा, कुमेडी सहित तकरीबन 20 गांव शामिल है। किसानों का कहना है कि मल्हारगंज तहसील मुख्यालय का नया भवन साल भर से बनकर तैयार इसके बाद भी यहां कार्य नहीं शुरू हुआ है। किसानों को कलेक्टर कार्यालय की लंबी

दूरी तय करना पड़ रही है। 20 गांवों के किसानों ने कलेक्टर कार्यालय पर इकठ्ठा होकर ज्ञापन दिया। किसान कमल सिंह डाबी ने बताया कि मल्हारगंज तहसील से जुड़े हुए गांव के लिए विडंबना है कि तहसील की घोषणा हुए कई साल गुजर गए, साल भर से भवन तैयार है उद्घाटन के इंतज़ार में हैं, इसके बाद भी 20 गांव के निवासियों को अपने काम के लिए कई किलोमीटर का चक्कर लगाकर कलेक्टर कार्यालय जाना पड़ता है। इससे किसानों को समय के साथ पैसे की भी बर्बादी होती है। किसान वीरेंद्र सिंह चावड़ा एवं बड़ा बांगड़दा के संतोष सुनेर कहते हैं कि मल्हारगंज तहसील कार्यालय का भवन साल भर से बनकर तैयार हो गया है। इसके बाद भी इसका शुभारंभ नहीं किया गया है इसके कारण ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। इन्हीं सब बातों को लेकर मंगलवार को दोपहर में मल्हारगंज तहसील से जुड़े हुए गांव बड़ा बांगड़दा, पलाखेड़ी, लिंबोदा गारी, बरदारी, भंवरासा, रेवती, नैनोद, कुमेडी, भानगढ़ आदि गांव के किसानों ने कलेक्टर कार्यालय पर ज्ञापन दिया। इस अवसर पर संतोष सुनेर, शंकर पटेल, राहुल तंवर, विष्णु जाधव, विरेन्द्र पछवाया, अनिल पटेल, जितेन्द्र जाधव, शशिकांत जोशी, मुकेश पटेल आदि शामिल हुए।

एक पेड़ मां के नाम अभियानः जिले में चलेगा वृहद वृक्षारोपण अभियान

भू-जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और जनभागीदारी पर कलेक्टर का जोर

कलेक्टर ने ली उद्योगपतियों, अधिकारियों और समूह की दीदियों की बैठक

बिलासपुर

जिले में गिरते भू-जल स्तर और बढ़ते तापमान जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिले वृक्षारोपण अभियान शुरू करने की घोषणा की है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले में हरियाली के लिए सघन पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में औद्योगिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के प्रमुख उद्योगपतियों ने भाग लिया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, एडीएम श्री शिव कुमार बनर्जी, लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष श्री हरीश केड़िया, प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री इरशाद अली सहित उद्योगपति, एनटीपीसी के अधिकारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा, ÷उद्योगों का विकास जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है पर्यावरण की सुरक्षा और सरंक्षण। हमें विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाना होगा।÷ उन्होंने उद्योगपतियों से आग्रह किया कि वे सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत पर्यावरण

संरक्षण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। कलेक्टर ने सभी औद्योगिक इकाइयों को कम से कम 10,000 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा स्थान की सूचना दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ संख्या का लक्ष्य नहीं है। बल्कि पौधों की सुरक्षा और देखभाल भी जरूरी है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सुझाव दिया कि फलदार वृक्षों को प्राथमिकता दी जाए, जिससे स्व-सहायता समूहों को देखरेख की जिम्मेदारी दी जा सके। इससे न केवल पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आजीविका का नया माध्यम भी प्राप्त होगा।

कलेक्टर ने गौठानों को वृक्षारोपण और वाटर रीचार्जिंग के केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन स्थलों का उपयोग जल संरक्षण, सोखता गड्ढों और वर्षा जल संचयन के लिए किया जाए, जिससे भू-जल स्तर में सुधार संभव हो सके।

बैठक में सिरगिट्टी, तिफरा और सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष रूप से सघन वृक्षारोपण की आवश्यकता बताई गई। उन्होंने निर्देश दिए कि इन क्षेत्रों में न केवल वृक्षारोपण हो, बल्कि पेड़ों की सुरक्षा और निरंतर देखरेख की भी समुचित व्यवस्था की जाए।कलेक्टर ने बड़े उद्योगों को नर्सरी विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि वृक्षारोपण के लिए स्थानीय स्तर पर पर्याप्त पौध सामग्री उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि यह अभियान तभी सफल होगा जब इसमें सामूहिक भागीदारी, जनचेतना और सामाजिक सरोकार जुड़े हों। बैठक में उद्योगपतियों ने अब तक वृक्षारोपण किए गए कार्यों की जानकारी दी और भविष्य की योजनाओं पर सुझाव भी प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी संगठनों से विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए और कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन की दिशा में औद्योगिक संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है, उन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्योगों और सामाजिक संगठनों की सराहना की।

सफलता की कहानी

मोरघनिया नाला में बने चेक डेम से पानी को तरसते किसानों के चेहरे पर आई मुस्कान

एमसीबी

किसान की मेहनत सफल तभी हो सकती है जब किसान के पास समय पर सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो। ग्राम पंचायत बरदर में नाले के किनारे रहने वाले कई किसानों के पास सिंचाई का संसाधन न होने से उन्हें अपने खेतों से मनचाहा लाभ नहीं मिल पाता था। गांव के किनारे बहने वाले नाले से पूरा बारिश का पानी बहकर आगे हसदेव नदी में जाकर मिलता था और उसके बाद गर्मी आते तक वह नाला पूरी तरह से जल विहीन हो जाता था। बारिश में खेतों मे कटाव करके बहने वाली बारिश का पानी बाद में सिंचाई तो दूर उनके पशुओं के लिए पेयजल भी नहीं दे पाता था। लेकिन बीते वित्तीय वर्ष में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बनाए गए एक पक्के चेक डेम से अब गांव का एक कोना हर मौसम में हरा भरा रहता है। यहां आधा दर्जन किसान पंपों के सहारे अपने 17 एकड़ से अधिक खेतों में सिंचाई का लाभ लेते हुए दो फसलें और तीन फसलें तक लेने लगे हैं। मई की तपती गर्मी में भी बरदर के दर्जन भर किसानों के खेतों में उड़द की फसल लहलहा रही है। जिले के जनपद पंचायत खड़गवां का एक ग्राम पंचायत बरदर है। यहां गांव के किनारे से एक मोरघनिया नाला बहता है। यह एक बरसाती नाला है जिसमे बारिश में तो पर्याप्त जल रहता था। लेकिन बारिश खत्म होने के बाद से इसमें जल कम होने लगता था और गर्मी आते तक यह पूरी तरह से सूख जाता था। इस नाले को नरवा विकास के तहत चयनित कर इसका सर्वे किया गया और उपयुक्त जगह पर गत वर्ष एक

मनरेगा के तहत बने चेकडेम से 20 किसानों के 17 एकड़ भूमि में बढ़ी सिंचाई सुविधा

पक्का चेक डेम बनाया जाना प्रस्तावित किया गया। ग्राम सभा से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार कार्य की स्वीकृति प्रदान करते हुए ग्राम पंचायत बरदर को निर्माण एजेंसी बनाया गया। तकनीकी सहायक राहुल की देखरेख में ग्राम पंचायत ने समय सीमा में कार्य को गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूरा किया। इस कार्य से एक हजार से ज्यादा मानव दिवस का रोजगार भी ग्रामीणों को प्राप्त हुआ। चेक डेम बन जाने के बाद यहां बड़ी मात्रा में जल संचय किया जा रहा है। चेकडेम से पीछे लगभग एक किलोमीटर तक बैकवाटर होने से आस पास का जल स्तर बेहतर हो रहा है। साथ ही किसानों को अपनी फसलों में सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल भी उपलब्ध हो पा रहा है। मोरघनिया नाले में बने चेक डेम से ग्राम पंचायत में रहने वाले किसान सत्यनारायण, फागुनाथ सिंह, राजकुमार, बलदेव, बाबूलाल, राजकिशुन, सुरेश और शिवप्रसाद जैसे कुल 20 किसानों के लगभग 17 एकड़ से अधिक भूमि में दो फसली सिंचाई सुविधा बढ़ गई है। इन किसानों ने बताया कि पहले सूख जाने वाले नाले में चेकडेम बन जाने से सिंचाई की दिक्कत समाप्त हो गई हैं अब हम अपनी मर्जी से फसलों की बुआई करके अच्छा लाभ कमा रहे हैं। वर्तमान में इस चेक डेम से लगी भूमि से लगभग दस एकड़ में उड़द और सब्जी की फसल लगी हुई है। इसके पहले किसानों ने धान और गेहूं की भरपूर फसल लेकर अच्छा मुनाफा कमाया है। कुल मिलाकर एक संसाधन से कई घरों में जीवन की शैली और स्तर में परिवर्तन साफ नजर आ रहा है। ऐसे में महात्मा गांधी नरेगा के तहत बने एक पक्के चेक डेम ने उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में परिवर्तन लाना आरंभ किया है।

अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र में आपके बीच आकर परिवार सा महसूस कर रहा हूँः विष्णु देव साय

सारंगढ़ बिलाईगढ़

सुशासन तिहार के अंतिम चरण अंतर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय हेलीकॉप्टर से सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले के ग्राम कनकबीरा में उतरे। उन्होंने शासकीय हाईस्कूल परिसर के पास गुलमोहर पेड़ के नीचे अपनी चौपाल लगाई और योजनाओं की जानकारी लेते हुए आम ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आप लोगों से मिलने का अवसर मिला। आप लोगो ने मुझे 3 बार इस क्षेत्र से सांसद चुना। आज आप सभी से मिलकर खुद को परिवार के बीच होने जैसा महसूस कर रहा हूँ मुख्यमंत्री श्री साय ने सुशासन तिहार की सार्थकता को बताते हुए कहा कि पहले चरण में आवेदन लेने के पश्चात दूसरे चरण में लिए गए आवेदन पर कार्यवाही की गई। अब तीसरे चरण में सुशासन तिहार के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सरकार आपके गाँव में आई है। हमने बीते डेढ़ वर्षों में राज्य के लोगों के हित में कार्य किया है। सुशासन तिहार एक तरह से हमारा रिपोर्ट कार्ड भी है और हमारी सरकार के द्वारा किए गए कार्यों का आंकलन करने का अवसर भी है। इसके माध्यम से हम योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन की स्थिति भी जान रहे हैं। हमारे अलावा मंत्री, सांसद, विधायक और मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी सुशासन तिहार में शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल विहारी और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के समय सभी गरीबो के लिए मुफ्त में और 1 रुपया में अनाज की व्यवस्था की गई। किसी को भूखे पेट नहीं सोने दिया गया। हमारी सरकार गरीबो का सम्पूर्ण ख्याल रखती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किए गए सभी

वादों को पूरा किया है।

सरकार ने शपथ लेते ही अगले दिन से केबिनेट में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि सभी जरूरतमंद को आवास दिया जाएगा। आवास प्लस में जिनका नाम है उनको भी आवास दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसानों का वादा पूरा कर 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी का निर्णय लिया। दो वर्ष से बकाया धान बोनस राशि भी दी। उन्होंने कहा कि 70 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वन्दन योजना की राशि उनके खाते में देकर आर्थिक समृद्धि और महिला सशक्तिकरण का द्वार खोला। इस योजना से जो वंचित है उन हितग्राहियों का नाम भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले हितग्राहियों के हित में निर्णय लेते हुए प्रति मानक बोरा की राशि 4 हजार से 5500 रुपये किया गया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही रामलला दर्शन योजना प्रारंभ कर हितग्राहियों को रामलला का दर्शन कराया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बड़े-बुजुर्गों की इच्छाओं को पूरा करने के उद्देश्य से बन्द हुई मुख्यमंत्री तीर्थ योजना को प्रारंभ किया है। इस योजना से तीर्थ यात्रा के इच्छुक परिवार अपने पसंद के अन्य तीर्थ स्थल का लाभ उठा पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने 24 अप्रैल से ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ की है। इस योजना से सभी ग्राम पंचायत जुड़ेंगे और ग्रामीणों को गाँव में ही बैंक जैसी सुविधाएं उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केंद्र में किसी भी योजना के हितग्राहियों को राशि निकालने में सुविधा होगी। किसी को बैंक नहीं जाना पड़ेगा। अभी 1460 पंचायत में यह प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के सारे रास्ते बंद कर रही है।

नाला में पुलिया, मंगल भवन,कन्या छात्रावास और पंचायत भवन की घोषणा की

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कनकबीरा में ग्रामीणों से संवाद के साथ ग्रामीणों की मांग पर कनकबीरा के आश्रित ग्राम नरगीखोल लात नाला पर पुलिया निर्माण, कनकबीरा में मंगल भवन निर्माण,कन्या छात्रावास और गोड़म में पंचायत भवन निर्माण की घोषणा की।

सारंगढ़ के पूर्व विधायक को अपने पास बिठाया

ग्राम कनकबीरा में औचक निरीक्षण पर आए प्रदेश के मुखिया श्री विष्णु देव साय ने जब गुलमोहर पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद प्रारंभ किया तो उनकी नजर नीचे बैठे सारंगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक श्री शमशेर सिंह पर पड़ी। उन्होंने बड़े ही आत्मीयता के साथ मिलते हुए उन्हें अपने पास बुलाया और कुर्सी देकर पास बिठाया। पूर्व विधायक श्री शमशेर सिंह से बातचीत कर मुख्यमंत्री ने हालचाल भी जानी। पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह क्षेत्र में समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं और मंदिर भी बनवाया है।

85 वर्षीय भागीरथी साहू को भेंट किया अपना साफा

ग्राम कनकबीरा में हेलीकॉप्टर उतरते देख लाठी के सहारे मुख्यमंत्री के चौपाल तक आए 85 साल के भागीरथी साहू भले ही भीड़ में मुख्यमंत्री को बोलते हुए देख नहीं पा रहे थे, वे उनको पूरी तन्मयता के साथ सुन रहे थे। चौपाल में संवाद खत्म होते ही मुख्यमंत्री श्री साय ने जब भागीरथी साहू से भेंट की तो उन्होंने अपना हाल-चाल बताया। मुख्यमंत्री ने कंधे पर हाथ रखकर बहुत ही स्नेह के साथ भागीरथी से मुलाक़ात की। जाते-जाते मुख्यमंत्री ने अपने गले से साफा उतारकर भागीरथी साहू के गले में पहनाकर सम्मान प्रकट किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को की-रिंग भी भेंट की।

अउ टीकाराम तबियत ठीक हे : सीएम साय

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम कनकबीरा में अचानक पहुँचे मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से छत्तीसगढ़ी में संवाद किया। गांव के टीकाराम से तबियत के बारे में जानकारी लेते हुए ने सीएम साय पूछा अउ टीकाराम तबियत ठीक है।

जैजैपुर बिजली विभाग की मनमाने कटौती से क्षेत्र की जनता त्रस्त

ओड़ेकेरा व तुषार फ़ीडर में घंटों - घंटों में किया जा रहा कटौती

सक्ती/जैजैपुर

यहाँ बिजली कटौती की समस्या कोई नई बात नहीं है जैजैपुर क्षेत्र में बिजली कटौती की समस्या पिछले लगातार दो वर्षों से चली आ रही है जो बिजली विभाग की सुचारू सुविधा मुहैया कराने वाली कार्यप्रणाली की विफलता को दर्शाता है। गर्मीयों का सीजन हो या फिर बरसाती मौसम जैजैपुर फ़ीडर से आपूर्ति होने वाली बिजली ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए परेशानियों का सबक व जंजाल बना रहता है। ताजूब की बात यह भी है की जिले के उच्च विभागीय अधिकारियों को क्षेत्र की बिजली कटौती संबंधित समस्याओं से जनप्रतिनिधि एवं आमजनताओं द्वारा अवगत करने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं की कटौती को लेकर उत्पन्न होने वाली समस्याओं का निराकरण ना हो पाना विभाग का मनमाने रवैये को उजागर करता हैं। बता दे बरसात व गर्मी के सीजनों के शुरुआत में महीने भर पहले ही

बिजली विभाग द्वारा जटिल एवं जर्जर इलाकों पर मैनेट्स कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाया जाता है जिसके चलते क्षेत्र में हल्की हवा का झोका चलने पर भी जैजैपुर सब स्टेशन से बिजली आपूर्ति बाधित हो जाता है। तो वही गर्मियों के मौसम में लोडसेटिंग, ट्रिपिंग, एवं एवी स्विच खराब का हवाला भी जिम्मेदारों के द्वारा देकर घंटों-घंटों बिजली कटौती की जाती है। जिससे बिजली विभाग की विफलता का ख़ामियाज़ा आमनागरिक को भुगतना पड़ रहा है। बीते 4-5 दिनों से ओड़ेकेरा फ़ीडर के छै गांव के आमनागरिक बिजली कटौती का भारी किल्लत झेल में मजबूर है। बरसात का मौसम शुरू होते यहां बिजली विभाग हवा चलने पर मनमाने ढंग से ग्रामीण इलाकों का बिजली बंद कर लोंगो को अंधेरे में दिनचर्या गुजरबसर करने के लिए मजबूर कर रहें है। तो वहीं दूसरी तरफ बारिश बंद होने पर भी बिजली चालू करने में विभाग को घंटों मशक़्क़त करना पड़ता हैं। जिससे लोगों का गुस्सा विभाग के प्रति फूटने लगा है। ग़ौरतलब हो ओड़ेकेरा फ़ीडर में लगभग 06 गांव समावेश है जहाँ पिछले तीन चार दिनों से लगातार बिजली कटौती की समस्या बहुत बढ़ाहा हुआ यहाँ के ग्रामीण उपभोक्ताओं और आमजनों ने बताया की पिछले कुछ दिनों से यहाँ घंटों-घंटों में लाइन का कटौती किया जा रहा जिससे ग्रामीण अति परेशान और आक्रोश में है। ग्रामीणों ने यह तक कही की अगर ऐसा ही कटौती चलता रहा तो ओड़ेकेरा फीडर के लोग मिल कर भारी संख्या में जैजैपुर सब स्टेशन का घेराव कर आंदोलन भी करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर नशीली दवाइयों की अवैध बिक्री पर खाद्य एवं औषधि विभाग की सख्त कार्रवाई

एमसीबी

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर नशीली दवाइयों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश भर में निरंतर छापामार कार्रवाइयां की जा रही हैं। विभाग में पदस्थ औषधि निरीक्षकों द्वारा मेडिकल स्टोर्स का सतत् निरीक्षण करते हुए शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समस्त प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की अनिवार्यता का भी परीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में लगे कैमरों के फुटेज की भी गहनता से जांच की जा रही है। इसी क्रम में जिला दुर्ग में पदस्थ खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा थाना पुलिस के संयुक्त दल द्वारा की गई छापेमारी में नशीली दवाइयों की अवैध खरीद-बिक्री में संलिप्त पाए जाने

पर एक मेडिकल संचालक सहित चार व्यक्तियों के विरुद्ध नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टेंसेस (NDPS) अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। इसी प्रकार, जिला सरगुजा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर गर्भपात कराने वाली औषधियों के अवैध व्यापार में संलिप्त मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा नियमावली 1945 के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। विगत सप्ताह औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला मुंगेली, बलौदाबाजार, महासमुंद, बालोद, रायपुर, कोंडागांव, रायगढ़, कोरबा, सुकमा, जांजगीर-चांपा तथा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों में स्थित विभिन्न औषधि प्रतिष्ठानों से कुल 22 औषधियों के नमूने संकलित कर रायपुर स्थित कालीबाड़ी राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। इसके अतिरिक्त, धमतरी, बस्तर, दुर्ग, बिलासपुर, महासमुंद, बेमेतरा, कोरबा एवं गरियाबंद जिलों के औषधि निरीक्षकों द्वारा कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 एवं 6 के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों के समीप स्थित पान दुकानों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कुल 171 चालान काटे गए, जिसमें 10,380 रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा आमजन की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए नशीली दवाओं की अवैध बिक्री एवं औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु यह सतत् अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ क्षेत्र के लिए संपर्क करें पेपर, विज्ञापन, समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

धर्मेंद्र वस्त्रकर
स्थानीय संपादक कार्यालय बिलासपुर

भोपाल में आयोजित सुपर मोम कार्यक्रम में मंडला की संजूलता सिंगौर और निहारिका उइके हुईं सम्मानित

मंडला

मंडला जिला आदिवासी बाहुल्य जिला है यहां हर प्रकार के प्रतिभाओं की कमी नहीं है यहां पर एक से बड़ कर एक कलाकार चाहे वो खेल जगत हो सांस्कृतिक हो ,गायन में आकाशवाणी में अनेक क्षेत्रों में पर अपना जिले का नाम रोशन किए हैं ऐसा ही सुपर मॉम कार्यक्रम में मंडला जिले से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दिनांक 24 मई को सुपर मोम÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट मातृशक्ति को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में जिला मंडला की श्रीमती संजूलता सिंगौर को ÷लाइफ अचीवमेंट सुपर मोम अवार्ड÷ से सम्मानित किया गया।

साथ ही मंडला की ही श्रीमती निहारिका उइके को भी अपनी कला के माध्यम से लोगों को प्रभावित करने

के लिए सम्मानित किया गया। दोनों ही महिलाओं को शुभचिंतकों द्वारा बधाइयों का तांता लगा हुआ है। श्रीमती संजूलता सिंगौर समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। रक्तदान, वृक्षारोपण, खेलकूद, नृत्य, गायन, गौसेवा और असहाय बच्चों की शिक्षा में सहयोग जैसे कार्यों में वे सदैव अग्रणी रही हैं। इसके अलावा वे घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाते हुए अपने बच्चों को उत्तम संस्कार और शिक्षा देने में सफल रही हैं।

उनकी समाजसेवी सोच और सतत प्रयासों ने न केवल उनके परिवार को बल्कि पूरे मंडला जिले को गौरवान्वित किया है। उनके इस समर्पण को देखते हुए उन्हें भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, जो कि समूचे मंडला के लिए गर्व की बात है।

अंचल चौधरी पीएससी उत्तीर्ण कर बनी राजपत्रित अधिकारी

मंडला

जिला मंडला डॉ आंबेडकर वार्ड निवासी श्री आर के चौधरी और श्रीमती अनीता चौधरी की पुत्री अंचल चौधरी ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की आयोजित परीक्षा में तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार एवं कौशल विकास विभाग में आईटीआई प्राचार्य राजपत्रित द्वितीय श्रेणी अधिकारी के पद पर चयन हुआ है

वे वर्तमान में जवाहरलाल नेहरू कृषि

विश्व विद्यालय जबलपुर में प्रक्षेत्र विस्तार अधिकारी के पद पर जबलपुर में कार्यरत हैं

भारत ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल मंडला से पढाई प्रारम्भ करए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय जबलपुर में अध्यनरत किया अंचल ने आगे बढ़ने की प्रेरणा बाबा साहेब डॉ आंबेडकर से ली और अपने पिता को अपनी ज़िन्दगी का समर्थन स्तम्भ बताया अंचल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता भाई हर्ष वर्धन चौधरी बहन डॉ मेकल चौधरी को दिया

आकाशवाणी पर प्रस्तुति देंगी नवनीता दुबे

मंडला

वरिष्ठ साहित्यकारा एवं शिक्षिका श्रीमती नवनीता दुबे की कविताओं का प्रसारण आकाशवाणी जबलपुर के कार्यक्रम गुड मॉर्निंग जबलपुर के अंतर्गत काव्य रस में किया जाएगा। प्रसारण 2 जून को सुबह 7.20 बजे से आकाशवाणी के जबलपुर केंद्र से होगा। नवनीता ने अपने काव्यपाठ में ऑपरेशन सिंदूर के नायक वीर सैनिकों से लेकर गर्मी के मौसम विशेष आधारित समेत विभिन्न विषयों पर स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की हैं। यह कार्यक्रम आकाशवाणी जबलपुर के मीडियम वेव पर और 'न्यूज ऑन एयर' मोबाइल ऐप पर देश भर में सुन सकेंगे।

विकास चंदेल ने किया जिले का नाम रोशन मिली डॉक्टरेट का फिलॉसफी की उपाधि

विकास चंदेल को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

रिपोर्ट दुर्गेश बर्मन/डिंडौरी/फतवा

जिला मुख्यालय से महज 10 की,मि, अंतर्गत ग्राम कूड़ा निवासी विकास सिंह चंदेल ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक के सामाजिक कार्य विभाग से पीएचडी के शोध कार्य को पूर्ण किया। उनके शोध का विषय बैगा जनजाति के शिक्षा में आने वाली मुद्दों और चुनौतियां ⁼ डिंडोरी जिले के बैगाचक क्षेत्र का एक अध्ययन उनके शोध निर्देशक डॉ रमेश बी तथा सह- निदेशक डॉ कृष्णमणि भगवती रही हैं। विकास चंदेल ने अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक प्रस्तुतीकरण देकर यह डिग्री हासिल किया। विकास ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता नेम सिंह चंदेल माता उर्मिला सिंह चंदेल, बहन प्रतिमा, पवित्रा तथा अपने पारिवारिक रिश्तेदारों, मित्रों, शुभचिंतकों तथा अपने शिक्षकों को दिया।

इन्होंने अपने शोध प्रबंध को समाजसेवी स्व. डॉ प्रबीर सरकार तथा अपने माता पिता व बैगा समुदाय के प्रत्येक लोगों को समर्पित किया है। इनकी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय स्कूल तथा अमरकंटक विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग से बीएससी बीएड ,स्नातोकतर एमएसडब्ल्यू में गोल्ड मेडल प्राप्त किया समाज कार्य में नेट की परीक्षा पास करके शोध कार्य में सफलता हासिल कर ग्राम और जिले को गौरवान्वित किया । शोध कार्य के दौरान इन्होंने सामाजिक कार्य में विशेष रुचि लेते हुए स्वयं के द्वारा स्थापित प्रणाम नर्मदा युवा संघ के माध्यम से संगठन के सहयोग से कोरोना काल में ऑपरेशन मदद द्वारा भोजन एवं दवाइयां उपलब्ध कराना, माहवारी स्वच्छता हेतु अनूपपुर जिले में निरोगी नारी अभियान के तहत माहवारी स्वच्छता जागरूकता, रक्त दान , पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण , गरीब विद्यार्थियों के रहने की निःशुल्क व्यवस्था हेतु विवेकानंद विद्यार्थी भवन ,मां नर्मदा की साफ सफाई के लिए विशेष योगदान दिया जा रहा है । इनका कार्य युवाओं के लिए प्रेरणादायक है । इनके विशेष उपलब्धि पर परिवार वाले, इष्टमित्र,शिक्षक , रिश्तेदार, एवं शुभचिंतकों ने बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित किया हैं ।

अपर कलेक्टर की जन सुनवाई में 165 लोगो ने दिया अपना आवेदन

जन सुनवाई में ही कई आवेदनो का अपर कलेक्टर ने कराया निराकरण

सिंगरौली

जिले के विभिन्न अंचलो से आयें हुयें 165 लोगो ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जन सुनवाई में अपर कलेक्टर श्री पी.के सेन गुप्ता को अपना आवेदन देते हुयें अपनी समस्याओं से अवगत कराया। अपर कलेक्टर ने सभी आवेदन पत्रो पर गंभीरता से विचार करते हुये जन सुनवाई में उपस्थित विभागीय अधिकारियों से कई आवेदन पत्रो का जन सुनवाई में ही निराकरण कराया गया। साथ ही ऐसे आवेदन जिनका निराकरण जन सुनवाई के दौरान नही हुआ उनके आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सबंधित आवेदनो पर तत्परता दिखाते हुयें समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराये।जन सुनवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, जिला शिक्षा अधिकारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 150 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

सीधी

नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 150 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में

निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, संयुक्त कलेक्टर एसपी मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

बारिश के पहले करें आवश्यक तैयारियाँ - कलेक्टर सोमेश मिश्रा

मंडला

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में इस बार समय से पहले मानसून आने की संभावना है इसके लिए आवश्यक तैयारियां बारिश से पहले करना सुनिश्चित करें। लोक स्वास्थ्य एवं पीएचई आपसी समन्वय कर सभी हेंडपंप तथा कुओं में आवश्यकतानुसार क्लोरीनेशन कराएं। क्लोरीनेशन दिनांक का स्टीकर संबंधित जल स्त्रोत पर चिपकाएं। बारिश में डायरिया और दूषित जल से होने वाली अन्य बीमारियों के होने की आशंका होती है। स्वास्थ्य विभाग इसके लिए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त दवाईयों की व्यवस्था रखें। इसके साथ ही बारिश में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश के मामले भी सामने आते हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में एंटीवेनम के डोज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुख अभी से सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कुटीर-ग्रामोद्योग, फॉरेस्ट तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निम्न गुणवत्ता वाले प्रकरणों को पुनः ओपन करवाकर संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। यह सुनिश्चित करें कि सी एवं डी केटेगरी में कोई भी विभाग न रहे। सीएम डैशबोर्ड के विषय में समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख डैशबोर्ड के बिन्दुओं को गंभीरता से लें। इससे संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं, जिससे विभागीय स्कोर बेहतर हो सके। बैठक में टीएल पत्रों की समीक्षा, प्रधानमंत्री आवास शहरी, गेहूं परिवहन, समग्र ई-केवाईसी, धरती आबा, अपार आईडी, पीएम किसान सम्मान, उच्च न्यायालय की अवमानना, रिट पिटिशन, नरवाई प्रबंधन, विकसित कृषि संकल्प अभियान, फूड ई-केवाईसी, आईटीआई तथा पॉलीटेक्निक में प्रवेश, अंतर्विभागीय बिन्दुओं सहित अन्य विषयों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, समस्त एसडीएम सहित।

माँ नर्मदा के तटीय ग्रामों में नर्मदा सेवा समितियों का गठन

मंडला

मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश के 16 जिलों, 51 विकासखंडों में माँ नर्मदा सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा 25 मई से 5 जून 2025 तक निकाली जा रही है। मंडला जिले में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री श्रेयांस कूमट के मार्गदर्शन में (उत्तर तट-दक्षिण तट) के मां नर्मदा तटीय ग्रामों में नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा निकाली जा रही हैं एवं नर्मदा सेवा समितियों का गठन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को यात्रा ग्राम मानादेही से प्रारंभ होकर, सिलपुरा, घाघा, अहमदपुर व साल्हेडंडा में सम्पन्न हुई। यात्रा मार्ग में ग्रामों की चौपालों में यात्रा दल प्रभारी श्री सुनील साहू ने यात्रा का उद्देश्य विस्तार से बताया, विकासखंड समन्वयक एवं दक्षिण तट के नोडल अधिकारी श्री संतोष झारिया ने सर्वे प्रपत्र की जानकारी देकर फार्म भरवाये एवं जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम वासियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। ग्राम चौपालों में स्थानीय ग्रामवासियों ने सहभागिता निभाई। हर स्थानों में पंचायत के प्रतिनिधियों ने यात्रा दल के लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

ग्राम एवं नगर रक्षा समिति सदस्यों के लिए मंडला पुलिस द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मंडला

पुलिस मुख्यालय, भोपाल के निर्देशानुसार सामुदायिक पुलिसिंग को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने एवं ग्राम तथा नगर रक्षा समितियों को अधिक सक्रिय और उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन मंडला में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा समिति सदस्यों को उनके कर्तव्यों, उत्तरदायित्वों तथा स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था में सजग भागीदारी के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने ग्राम रक्षा समितियों को ÷पुलिस और जनता के बीच संवाद का मजबूत माध्यम÷ बताते हुए उनकी भूमिका की सराहना की। कार्यशाला के दौरान समिति सदस्यों द्वारा किए गए निम्नलिखित सराहनीय कार्यों का उल्लेख किया गया⁼ सार्वजनिक आयोजनों में पुलिस सहायता कर शांति व्यवस्था बनाए रखना। बाढ आदि के दौरान पुलिस का सहयोग। साथ ही, ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों से यह अपेक्षा की गई कि वे जागरूक नागरिक के रूप में⁼ भारतीय न्याय संहिता से संबंधित नवीनतम कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करें, साइबर अपराधों से सतर्क रहते हुए अन्य को भी जागरूक करें, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया पर फैल रहे फर्जी संदेशों की पहचान कर समय पर पुलिस को सूचित करें। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी, सूबेदार विवेक करोसिया, प्रधान आरक्षक लाभसिंह एवं महासिंह, सुरेश भटेरे सायबर सेल सहित विभिन्न थानों से आए ग्राम रक्षा समिति के लगभग 100 सदस्य उपस्थित रहे।

चिल्लारा और खामनी बैराज निर्माण हेतु 16 करोड़ की मिली प्रशासकीय स्वीकृति-अर्चना चिटनिस

बुरहानपुर

विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस (दीदी) के सतत् प्रयासों के परिणाम स्वरूप बुरहानपुर विधानसभा की दो लघु सिंचाई परियोजनाओं ग्राम खामनी में अमरावती नदी पर निर्मित होने वाले खामनी बैराज कम-काजवे एवं ग्राम चिल्लारा में बनने वाले मोहना नदी पर चिल्लारा बैराज कम-काजवे योजनाओं की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। इसके निर्माण हेतु लगभग 16 करोड़ रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति हुई है। इसमें ग्राम खामनी बैराज कम-काजवे निर्माण हेतु 6 करोड़ 50 लाख रूपए तथा चिल्लारा बैराज कम-काजवे निर्माण के लिए 9 करोड़ 44 लाख रूपए की लागत से निर्माण होगा। जिससे क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है। लघु सिंचाई परियोजनाओं की स्वीकृति मिलने पर अर्चना चिटनिस ने कहा कि उक्त परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए वर्षो से

प्रयासरत रही हूं। परियोजना की स्वीकृति हेतु चिटनिस ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीमती चिटनिस ने कहा कि जल परियोजना की स्वीकृति हर खेत को पानी की दिशा में निरंतर बढ़ते कदम है। उन्होंने बताया कि उक्त 950 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी तथा आसपास के क्षेत्र में भू-जल स्तर बढ़ेगा। जिससे किसानों की स्थिति मजबूत होगी। बैराज निर्माण हेतु जल्द ही निविदा जारी होकर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

चिटनिस ने बताया कि खामनी बैराज कम-काजवे एवं चिल्लारा बैराज कम-काजवे की प्रशासकीय स्वीकृति स्वीकृति प्राप्त हो गई है। ग्राम खामनी के पास अमरावती नदी पर खामनी बैराज कम-काजवे एवं मोहना नदी पर चिल्लारा बैराज कम-काजवे योजनाएं प्रस्तावित है। इन बैराजों का निर्माण होने से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। जिससे क्षेत्र का विकास होना संभावित है। खामनी बैराज योजना की कुल लागत राशि 6 करोड़ 50 लाख रूपए है, इसके निर्माण से 390 हेक्टेयर सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। वहीं चिल्लारा बैराज योजना की कुल लागत 9 करोड़ 44 लाख रूपए है, इसके निर्माण से 560 हेक्टेयर सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सकेंगा। उक्त दोनों परियोजनाओं की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र के किसानों-ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित विधायक व पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उक्त परियोजनाओं के निर्माण से कृषि खेत्र में खुशहाली और कृषकों के लिए उक्त योजनाएं वरदान सिद्ध हो सकेंगी। योजनाओं के मूर्तरूप उपरांत क्षेत्र के कृषकों को योजनावार सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी तथा सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी।

सेवासदन महाविद्यालय बी.कॉम तृतीय वर्ष का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

बुरहानपुर

निमाड़ में शिक्षा क्रांति के जनक स्व.वीरेंद्र सिंह ठाकुर के समर्पण और सेवा के भाव से उन्नति के पथ पर अग्रसर सेवासदन महाविद्यालय के बी.कॉम कम्प्युटर तृतीय वर्ष के छात्र- छात्राओं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। इस वर्ष छात्रा कु. कीर्ति शाह 8.20 सी.जी.पी.ए. अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, कु. भूमिका जैस्वाल 8.17 सी.जी.पी.ए. अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं कु. वैषाली गढवाल ने 8.12 सी.जी.पी.ए अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार बी.कॉम प्लेन तृतीय वर्ष में छात्र दक्ष बारी ने 8.18 सी.जी.पी.ए. अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, कु. वृन्दा सुगंधी ने

8.15 सी.जी.पी.ए. अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं कु. ऐष्वर्या चौधरी ने 8.13 सी.जी.पी.ए अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल कर महाविद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया।

सेवासदन शिक्षा समिति की अध्यक्ष तारिका वीरेन्द्रसिंह ने छात्र- छात्राओं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुये कहा कि ''आपकी यह उपलब्धि पुरे महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। मेहनत एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहें, भविष्य मे ओर भी बड़ी उचाईयां आपका इंतजार कर रही हैं उन्होने इस सफलता के लिए प्राध्यापकों के विशेष योगदान की भी सराहना की।'' इस सफलता पर सेवासदन शिक्षा समिति सचिव हसमुखलाल जरीवाला, मैनेजर मनीष पटेल, प्राचार्य डॉ. एस.एम. शकील, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील महेश्वरी, डॉ. विनोद काले, डॉ. अभिलाषा पाण्डे, डॉ. रष्मी गोविन्दजीवाला, प्रो. मनीष पारीक, प्रो. अर्पिता गढे, डॉ. लीना जाधव, प्रो. मयंक ठाकुर, प्रो. षिवानी मेहता, प्रो. रितु शर्मा, एवं महाविद्यालय सहायक वर्ग ने छात्र- छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

खुशियों की दास्तां: दीदी कैफे से समूह की चार महिलाओं को मिल रहा है रोजगार

महिलाएं हर महीने 15 हजार रुपए तक की अर्जित कर रही हैं आय

शहडोल

सशक्त नारी सशक्त समाज। महिलाएं अब घर की चहर दीवारी से बाहर निकलकर अपनी समस्याओं का निदान स्वय करने में सक्षम होती जा रही है। ग्रामीण आजीविका परियोजना के माध्यम से गठित किये गए स्व सहायता समूहो से जुड़कर महिलाए अपने जीवन के बदलाव की नई कहानियां लिख रही हैं। समूहों के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाएं न केवल संगठित होकर कार्य कर रही है। साथ ही आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भी बन रही हैं, जिससे उनका सामाजिक दृष्टि से भी सशक्तिकरण हो रहा है। शहडोल जिले के तहसील सोहागपुर के ग्राम छतवई में गठित वैष्णवी स्व सहायता समूह की महिलाएं संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में आजीविका दीदी कैफे का संचालन कर रही है। समूह की महिलाएं दीदी कैफे में स्वय ग्राहक की मांग के अनुसार तथा सीजन के अनुसार पकवान तैयार करती है। सर्विस देने से लेकर कैफे के संचालन के

लिए बाजार से सामग्री की खरीदी कैफे में चाय, नाश्ते की विभिन्न वैरायटी तैयार करने से लेकर सर्विस का कार्य तथा काउंटर का हिसाब-किताब कार्य समूह की महिलाएं ही सम्पन्न करती है।

समूह की सचिव श्रीमती ममता नामदेव ने बताया कि कभी अपने बाल-बच्चों, परिवार के भरण पोषण करने में काफी दिक्कतो सामना करना पडता था। जब ग्रामीण आजीविका परियोजना द्वारा गठित वैष्णवी स्व सहायता समूह में सदस्य बनी और स्व-सहायता समूह के माध्यम से लोन लेकर व्यवसाय प्रारंभ किया तो अब वर्तमान में अपने बच्चों के भरण पोषण, परिवार की आर्थिक ज़रूरतें पूरी करने में सक्षम हुई। इसके साथ ही उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है और वे सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बोलने लगी हैं।

श्रीमती ममता नामदेव का कहना है कि मै ग्रामीण आजीविका परियोजना के वैष्णवी स्व-सहायता समूह में जुडकर 2 लाख रूपये का लोन लेकर स्व सहायता समूह में लिए गए निर्णय के अनुरूप अन्य महिलाओं के सहयोग से कलेक्ट्रेट परिसर शहडोल में आजीविका दीदी कैफे के संचालन किया। जिसके परिणाम सकारात्मक रहें। स्व सहायता समूह की 4 महिलाओं को रोजगार मिलने के साथ ही उन्हें 15 हजार रुपए तक की मासिक आय प्राप्त हो रही है। इस आय से जहां महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुई है वही उनकी पारिवारिक जीवन में भी बदलाव आया है। अब इनके बच्चें संभागीय मुख्यालय शहडोल में अच्छी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे है, जीवन स्तर और सोच में भी परिवर्तन आया है। समूह की सभी महिलाएं प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण में एवं क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

खुशियों की दास्ता समाज की महिलाओ के लिए आदर्श बनकर उभर रही महिला थाना प्रभारी अरूणा व्दिवेदी

उमरिया।

जिला मुख्यालय की महिला थाना प्रभारी अरूणा व्दिवेदी समाज की महिलाओ के लिए आदर्श बनकर उभर रही है । उन्हें देखकर समाज की महिलाएं प्रेरित होती है कि हम भी पुलिस की भर्ती में शामिल होकर देश की सेवा करें ।

उन्होने बताया कि वे विगत 14 वर्षो से पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं दे रही है । वर्तमान मे उमरिया जिले में महिला थाना प्रभारी के पद पर है । उन्होने कहा कि पुलिस की नौकरी में समय का निर्धारण नही होने पर कभी दिन तथा कभी रात्रि में अपने कर्तव्यो का निर्वहन करना पड़ता है । इसके साथ ही घर परिवार का भी संचालन करना पड़ता है ।

उन्होने कहा कि कुछ चुनौतियां नौकरी के समय आती है । लेकिन हमारे जो सहकर्मी है , जिस परिवेश में रहकर काम कर रहे है , उससे व्यक्तिगत तौर पर कभी समस्या का सामना नही करना पड़ता है । समाज की युवतियां पुलिस को देखकर उन जैसा बनने के लिए प्रभावित होती है । महिला थाना तक आने वाली महिलाएं निडर एवं सहजता के साथ अपनी समस्याओं को रखती है,उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए पुलिस व्दारा पूरा प्रयास करते हुए उन्हें न्यायय दिलाया जाता है । उन्होने कहा कि पुलिस जनता की सेवक है । पुलिस और जनता के बीच जो दूरी है, उसे भी कम करनें का प्रयास किया जा रहा है ।

जिपं सामान्य सभा की बैठक 30 मई को

अनूपपुर

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक शुक्रवार 30 मई 2025 को दोपहर 12ः00 बजे से जिला पंचायत सभागार अनूपपुर में आयोजित की गई है।उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्?मय वशिष्ठ शर्मा ने सर्व संबंधितों से बैठक हेतु नियत दिनांक, समय एवं स्थान में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने बताया है कि बैठक के एजेण्डा बिन्दु ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अनूपपुर अंतर्गत कार्यों की समीक्षा,15वें वित्त योजनांतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 का जनपद पंचायत कोतमा एवं जैतहरी के कार्य योजना का अनुमोदन,सर्व शिक्षा अभियान अनूपपुर अंतर्गत जनशिक्षकों एवं बीएसी के चयन की कार्यवाही की अद्यतन स्थिति तथा अन्य बिन्दु (अध्यक्ष महोदया की अनुमति से) चर्चा की जाएगी।

कम उम्र में अपने जौहर प्रदर्शन करते हुए सोनम ने अर्जित किए गोल्ड एवं सिल्वर मैडल

उमरिया।

उमरिया जिले को हांकी की नर्सरी कहा जाता है । उमरिया जिले से अनेको खिलाडियो ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन का करते हुए कई बार उमरिया जिले का नाम प्रदेश में रोशन किया है । हर उम्र के हांकी के खिलाड़ी पूरे जोश एवं जब्जे के साथ खेल को खेलते है । उनमें से एक है सोनम सोधियां , जिन्होंने गोल्ड एवं सिल्वर मैडल हासिल करके जिले को गौरांवित किया है । जिला मुख्यांलय उमरिया के झिरिया मोहल्ला निवासी सोनम सोधियां उम्र 17 वर्ष ने बताया कि उनके पिता चाय की दुकान लगाते है । माता गृहिणी है । उनके अलावा घर में एक भाई एवं एक बहन है । खेल के साथ साथ सोनम शिक्षा भी गृहण कर रही है । वे सन 2015 से हांकी खेल रही है । सोनम का मार्गदर्शन जिला क्रीड़ा अधिकारी शेख सलीम एवं कोच शिवम सोधियां व्दारा किया जाता है । उन्होने बताया कि वर्ष 2024 में नेशनल वेस्ट जोन में गोल्ड मैडल तथा वर्ष 2023-24 मे स्कूल नेशनल जालंधर में सिल्वर मैडल मिल चुका है । सोनम नियमित रूप से जिला मुख्यालय स्थत स्टेडियम में अभ्यास करके खेल में और अधिक निखार लाने का प्रयास करती है । उनका कहना है कि कोच का समय समय पर मार्गदर्शन मिलता रहता है, उनके व्दारा हमें खेल की बारीकियों से भी अवगत कराया जाता है।

कलेक्टर ने किया खदानों का निरीक्षण, अवैध खनन रोकने के दिए निर्देश

खनिज के अवैध परिवहन एवं उत्खनन पर लगाए प्रभावी रोक- कलेक्टर

अनूपपुर कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज अनूपपुर जिले के शारदा ओपन कास्ट खदान में हाई वॉल माइनिंग पद्धति से खनिज कोयला उत्पादन की जानकारी ली गई। इस अवसर पर उन्होंने खनिज विभाग के अधिकारियों को अवैध खनन (इलीगल माइनिंग) पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने खदान के आंतरिक ओपन पिट क्षेत्र, ट्रकों की आवाजाही के रूट, सुरक्षा चेक पोस्ट तथा निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से खदान से संबंधित तकनीकी एवं सुरक्षा पहलुओं की जानकारी प्राप्त की और समुचित दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से ट्रकों की आवाजाही पर निगरानी बढ़ाने तथा खनिज के अवैध परिवहन को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री पंचोली ने खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि वे खदानों से निकलने वाले एक्सप्लोसिव ट्रकों की

नियमित रूप से जांच करें और इस कार्य के लिए एक प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित करें। साथ ही उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा राजस्व अमले के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से खदानों की सतत मॉनिटरिंग करने की बात कही। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि जिले में खनन कार्यों की पारदर्शिता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि खदानों से निकलने वाले ट्रकों का वजन, दस्तावेज़ एवं रूट की नियमित जांच हो तथा निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खदानों के आसपास रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का भी पूरा ध्यान रखा जाए। इस दिशा में खनन कंपनियों को सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए उचित कदम उठाने होंगे। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्री कमलेश पुरी, जिला खनिज अधिकारी श्रीमती आशालता वैद्य, तहसीलदार अनूपपुर श्री अनुपम पांडेय, खनिज निरीक्षक श्रीमती ईशा वर्मा, खदान प्रबंधन तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता पूनम मिश्रा व्दारा किशोर किशोरियो को दिया जा रहा परामर्श

उमरिया

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का लक्ष्य किशोरों का समग्र विकास करना है। इस योजना का लक्ष्य पोषण, मादक द्रव्यों के सेवन, प्रजनन स्वास्थ्य और अन्य मुद्दों में सुधार करना है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता पूनम मिश्रा ने बताया कि व्यक्तिगत एवं आउटरीच गतिविधि के माध्यम से अभी तक 6000 किशोर किशोरियों को उमंग स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से पोषण संबंधी परामर्श, शारीरिक एवं मानसिक संबंधी परामर्श, शिक्षा संबंधी परामर्श, विवाह पूर्व परामर्श, परिवार नियोजन परामर्श, तनाव अवसाद संबंधी परामर्श, नशीले पदार्थो से बचाव हेतु परामर्श, हिंसा जोखिम युक्त व्यवहार संबंधी परामर्श, महामारी स्वच्छता संबंधी परामर्श, टीबी रोग से बचाव हेतु परामर्श, असंचारी रोगो से बचाव हेतु परामर्श दिया जा रहा है । उन्होने बताया कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उमंग स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से 10 से 19 वर्ष के किशोर किशोरियो को परामर्श दिया जा रहा है।

'तंबाकू एक धीमा जहर-बचाव ही समझदारी' थीम पर मनाया जाएगा

31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस प्रत्येक जिले में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल

तंबाकू एक धीमा जहर है, इससे बचाव ही समझदारी÷ थीम पर 31 मई को ÷विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में तंबाकू व नशा विरोधी गतिविधियाँ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे। जिनमें छात्रों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंणकर ने बताया कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम "E&posing lies, protecting lives: Unmask the appeal of tobacco and nicotine products" पर आधारित कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रत्येक जिले में प्रभातफेरी, मैराथन, रंगोली, नुक्कड़ नाटक और गीत-संगीत के माध्यम से समाज को तंबाकू के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा। भोपाल में आयोजित मुख्य समारोह में स्कूली बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से कैंसर, टीबी और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव का संदेश देंगे। साथ ही, तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों पर आधारित वॉल पेंटिंग और पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर बैनर और होर्डिंग्स के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश, राष्ट्रीय नशामुक्ति हेल्पलाइन नंबर 14446 का भी प्रचार किया जा रहा है। इससे नशा छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को उचित मार्गदर्शन मिल सके। प्रमुख सचिव श्रीमती वायंणकर ने बताया कि विशेष रूप से विद्यालयों और महाविद्यालयों के 100 मीटर के दायरे में पान-गुटका की दुकानों पर विक्रय पर प्रतिबंध की कार्रवाई जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी। साथ ही, ग्रीष्मकालीन शिविरों में आयोजित चित्रकला, निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में विषय के प्रति गहरी समझ विकसित करने के प्रयास किए जा रहे है। राज्य भर में आयोजित इन गतिविधियों की प्रविष्टियाँ भारत सरकार द्वारा विकसित हरक्क मोबाइल ऐप/वेबलिंक पर अपलोड की जायेगी। जिसकी जानकारी जिलों द्वारा संचालनालय को भेजी जाएगी।

पूरा देश मना रहा है देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्म जयंती वर्ष - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाईयों से लड़कर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर रहे थे।

सीएम की पाठशाला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में %सीएम की पाठशाला% लगाई और सभी बेटियों से गुरूतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को मध्यप्रदेश की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अकबर की सेना के साथ लड़ाई की और अंततः खुद को न्यौछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को बताया कि महारानी दुर्गावती ने जबलपुर में आधारताल, मदन महल बनाया। ऐसी जल संरचनाएं बनवाई कि एक तालाब भरने के बाद अगला तालाब, उसके बाद उसके अगले तालाब में जल संरक्षण होता रहा। इससे प्रजा को जल संचयन की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि तकनीक के मामले में तब के शासक भी अग्रणी थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं की रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा विस्तार से बताते हुए कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि वे मध्यप्रदेश की महारानी थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के बारे में छात्राओं को बताया कि उन्होंने अपने करीब 28 साल के शासन में देश को शासन व्यवस्था की एक नई परिभाषा सिखाई। उन्होंने जगह-जगह मंदिर बनवाए, घाट बनवाए, यात्रियों के लिए सराय (विश्राम गृह), अन्न क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र बनवाए। महिला सशक्तिकरण की मिसाल कायम करते हुए देवी अहिल्याबाई ने विधवा विवाह कराए। इससे वे तत्समय विधवाओं के जीवन में एक नया सवेरा लेकर आईं। उन्होंने सबके साथ समान रूप से न्याय किया। वे एक अच्छी बेटी, अच्छी बहु, अच्छी पत्नी के साथ एक ममतामयी मां भी थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई को न केवल उनके माता-पिता ने वरन् उनके सास-ससुर ने भी अपनी बेटी की तरह पाला था और अपने बेटे से बढ़कर देवी अहिल्याबाई को सत्ता के सूत्र सौंपे, शासन चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। अहिल्याबाई ने जीवनपर्यंत नारी सशक्तिकरण के लिए काम किया। उन्होंने तत्कालीन महिलाओं को सशक्त बनाते हुए महेश्वरी साड़ी बनाने में कुशल बनाया। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनीं। महेश्वरी साड़ियां हमें देवी अहिल्याबाई की सौगात है। अहिल्याबाई ने अपनी सास गोतमाबाई से प्राप्त खासगी की रकम से कई मंदिर और घाट बनवाए। महेश्वर को अपनी राजधानी बनाई। वे सच्चे अर्थों में नारी सशक्तिकरण का एक आदर्श व्यक्तित्व थीं। उन्होंने देश को सिखाया कि मंदिर और तीर्थयात्रा सिर्फ पूजा के लिए नहीं होते, इससे पर्यटन बढ़ता है और पर्यटन व देशाटन से आंतरिक संबंध बनते हैं, इससे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं को बताया कि देवी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को एक मराठा हिन्दू परिवार में चौंडी नामक गांव में हुआ था, जो आजकल महाराष्ट्र के अहमदनगर में आता है। चूंकि 31 मई को उनके जन्म के 300 साल पूरे हो रहे हैं, यही कारण है कि आज न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरा देश उनका 300वां जयंती वर्ष हर्षोल्लास से मना रहा है। उन्होंने कहा कि 31 मई को स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देवी अहिल्याबाई की स्मृति में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने भोपाल पधार रहे हैं। उन्होंने बेटियों से कहा कि वे कार्यक्रम में आएं और देवी अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरणा लें। सीएम की पाठशाला कार्यक्रम में बेटियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से प्रश्न भी पूछे। मुख्यमंत्री ने सभी प्रश्नों के बड़ी सहजता और मनुहार के साथ जवाब दिए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से दिए निर्देश कलेक्टर स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हर माह समीक्षा करें - मुख्य सचिव

शहडोल

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए प्रत्येक जिले में दल गठित करके उनके भ्रमण का रूट चार्ट तैयार कर दें। अभियान का मंत्रीगणों, सांसद, विधायक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से समारोहपूर्वक शुभारंभ कराएं। किसानों को विशेषज्ञ दल खेती के आधुनिक तकनीक, पराली प्रबंधन तथा कृषि विविधीकरण की जानकारी दें। खाद के संतुलित उपयोग तथा स्वाइल हेल्थ कार्ड के संबंध में भी किसानों को जागरूक करें। सभी जिलों में सड़क सुरक्षा समिति की हर माह बैठक आयोजित कर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, ब्लैक स्पॉट में सुधार तथा राहवीर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करें। अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठकों का भी नियमित आयोजन करें। इसमें राहत राशि के प्रकरणों को स्वीकृत करके पीड़ितों को राहत राशि का भुगतान करें। समग्र पोर्टल में हितग्राहियों के ई केवाईसी सत्यापन तथा डुप्लीकेट के नाम पृथक करने की कार्यवाही भी संतोषजनक नहीं है। ई केवाईसी अपडेशन 30 जून तक अनिवार्य रूप से पूरा करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर विभिन्न विभागों के कार्यों तथा महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हर माह समीक्षा करें। इसमें मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के प्रयासों, एनीमिया पर नियंत्रण एवं टीकाकरण पर विशेष ध्यान दें। परामर्श दात्री समिति की भी हर माह बैठक आयोजित कर अधिकारियों-कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर उनकी कठिनाईयों का निराकरण करें। वनाधिकार अधिनियम के तहत दर्ज किए गए दावों में से अभी भी पूरे प्रदेश में बड़ी संख्या में दावे लंबित हैं। अधिनियम के तहत गठित समिति की बैठकें आयोजित कर इन दावों का निराकरण कराएं। पात्र व्यक्ति को भू अधिकार पत्र जारी करें तथा अपात्र के दावे अमान्य करें। अधिनियम के तहत सामुदायिक दावों पर भी समुचित कार्यवाही करें। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को आगामी वर्षाकाल में बाढ़ से बचाव एवं राहत के लिए समुचित तैयारी के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि ई आफिस प्रणाली 55 विभागों में लागू हो गई है। इससे समय की बचत होने के साथ फाइलों के निराकरण में तेजी आई है। इसे शीघ्र ही तहसील स्तर तक लागू किया जाएगा। सभी अधिकारी मिशन कर्मयोगी योजना तहत अधिकारियों और कर्मचारियों को दक्षतावर्धन का प्रशिक्षण दिलवाकर उनकी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराएं। प्रदेश भर में 5 जून से एक पेड़ माँ के नाम अभियान शुरू किया जा रहा है। कलेक्टर अन्य विभागों से समन्वय बनाकर वृक्षारोपण की तैयारी सुनिश्चित कर लें। इस वर्ष भी 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश के 10 प्रमुख पर्यटन स्थलों में इस दिन सार्वजनिक स्थलों पर योगाभ्यास के कार्यक्रम होंगे। जिला और विकासखण्ड स्तर तक योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्थानों का चयन करके समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी, खनिजों के अवैध खनन और परिवहन पर कार्यवाही तथा प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में निर्देश दिए गए। कमिश्नर कार्यालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष से कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, आईजी शहडोल जोन श्री अनुराग शर्मा, डीआईजी सविता सुहाने तथा कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, मुख्य वनसंरक्षक शहडोल श्री अजय पाण्डेय, वन मण्डलाधिकारी तरूणा वर्मा, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री नरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक दीवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शराब पर से बैन हटाने की तैयारी में जुटा सऊदी अरब

रियाद

कट्टर इस्लामी नियमों को लेकर मशहूर सऊदी अरब अब शराब पर बैन हटाने की तैयारी में जुट गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सऊदी सरकार देश में 600 टूरिस्ट प्लेस पर शराब की बिक्री शुरू करने की योजना बना रही है। शराब की अनुमति देने वाले नए लाइसेंसिंग कानून 2026 में लागू होंगे। ऐसा 2030 में वर्ल्ड एक्सपो और 2034 में शुरू होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।सऊदी अरब में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के हाथों में सत्ता आने के बाद से कई बड़े बदलाव हो चुके हैं। उन्होंने महिलाओं को गाड़ी चलाने की इजाजत दी, सिनेमाघर फिर से खोले और संगीत समारोहों की भी मंजूरी दी। अब शराब को भी सीमित तौर पर मान्यता देने की तैयारी हो रही है।

20 प्रतिशत से ज्यादा अल्कोहल वाले शराब पर बैन यह शराब सिर्फ कुछ लाइसेंस प्राप्त जगहों जैसे 5-स्टार होटल, लग्जरी रिसॉर्ट और खास विदेशी इलाकों में ही मिलेगी। यहां सिर्फ बीयर, वाइन जैसे हल्के अल्कोहल वाले पेय ही मिलेंगे। 20 प्रतिशत से ज्यादा अल्कोहल वाले पेय अभी भी बैन रहेंगे। सरकार का मानना है कि इससे टूरिज्म बढ़ेगा और सऊदी अरब, दुबई और बहरीन जैसे देशों से मुकाबला कर पाएगा, जहां पर्यटकों को शराब पीने की छूट दी जाती है। 1932 में सऊदी बनने के बाद से ही शराब इस्लामी कानून के मुताबिक प्रतिबंधित थी, लेकिन 1952 में इसे लेकर बेहद सख्त नियम बनाए गए। अब 73 साल बाद इसमें ढील दी जा रही है। हालांकि सऊदी में आम लोगों के घरों, दुकानों और सार्वजनिक जगहों पर शराब पीना या रखना अभी भी मना रहेगा। यह छूट सिर्फ विदेशी पर्यटकों और कुछ खास जगहों तक ही सीमित रहेगी।

वर्ल्ड एक्सपो और फुटबॉल वर्ल्डकप के चलते तैयारी... टूरिस्ट प्लेस पर खुलेंगी दुकानें

वर्ल्ड एक्सपो के लिए नियम बदल रहे

वर्ल्ड एक्सपो एक ऐसा शो है जहां अलग-अलग देश, कंपनियां या संगठन अपने उत्पाद, तकनीक, संस्कृति, या विचारों को दुनिया के सामने पेश करते हैं। इसका मकसद लोगों को नई चीजें दिखाना, व्यापार बढ़ाना, संस्कृति और तकनीक का आदान-प्रदान करना है। वर्ल्ड एक्सपो कई देशों को एक मंच पर लाता है। इसमें देश अपनी संस्कृति, टेक्नोलॉजी और उपलब्धियों को दिखाते हैं। यह हर 5 साल में आयोजित होता है और 6 महीने तक चलता है। वर्ल्ड एक्सपो 2030 सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होगा। यह आयोजन 1 अक्टूबर 2030 से 31 मार्च 2031 तक चलेगा। अरब देशों में शराब का सेवन और बिक्री ज्यादातर इस्लामिक कानूनों (शरिया) के कारण सख्ती से नियंत्रित या प्रतिबंधित है, क्योंकि इस्लाम में शराब को हराम माना जाता है। हालांकि कुछ अरब देशों में शराब के सेवन और बिक्री के लिए छूट दी गई है, खासकर गैर-मुस्लिमों और पर्यटकों के लिए।

2024 में विदेशी डिप्लोमैट्स के लिए खुली दुकान

2024 में रियाद के डिप्लोमैटिक इलाके में शराब की पहली दुकान खोली गई थी। यह दुकान सिर्फ गैर-मुस्लिम विदेशी राजनयिकों के लिए है। हालांकि उनका दुकान में मोबाइल फोन ले जाना मना है और हर ग्राहक को मोबाइल ऐप से शराब खरीदने की लिमिट तय की गई है। अधिकारियों ने कहा कि उनका मकसद है कि सऊदी अरब अपनी संस्कृति को बनाए रखते हुए दुनियाभर के लोगों का खुले दिल से स्वागत करे, ताकि दुनिया सऊदी को एक ऐसा देश माने जो आगे बढ़ रहा है, लेकिन अपनी परंपराओं की इज्जत भी करता है।

शुभमन को कप्तानी बनाये जाने पर सहवाग ने उठाये सवाल

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के अगले माह होने वाने इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाये जाने को जहां कई पूर्व क्रिकेटरों ने सही बताया है । वहीं कई दिग्गजों ने इसपर सवाल उठाये हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद सभी को उम्मीद थी कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी दी जाएगी पर चयन समिति ने शुभमन को कप्तान बना दिया । इसी को पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने गलत बताया है। सहवाग ने कहा कि शुभमन गिल के अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए टेस्ट टीम में उनकी जगह तक नहीं बनती फिर भी उन्हें कप्तानी दे दी गयी।

सहवाग ने कहा, वह दूसरा सबसे अच्छा विकल्प था पर जो प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठता, उसे कप्तान कैसे बनाया जा सकता है? इसलिए मुझे लगता है कि यहां तर्क यह था कि उन्होंने देखा कि दूसरा सबसे अच्छा विकल्प कौन था, और वह शुभमन थे और ऐसा ही हुआ।

वहीं पूर्व क्रिकेट मनोज तिवारी ने कहा , एक सीरीज के लिए बुमराह ठीक हैं पर लंबे समय के विकल्प के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि अगर भारत एक साल में 10 टेस्ट खेलता है, तो क्या वह खिलाड़ी उन सभी मैचों में खेल पाएगा? या वह कितने मैच खेल सकता है? कप्तान चुनने में यह एक प्रमुख कारक है। इसलिए मुझे लगता है कि शुभमन को कप्तान बनाने का यह सही निर्णय था क्योंकि उन्हें लगा कि वे बुमराह पर इतना दबाव नहीं डाल सकते। तिवारी ने कहा कि गिल दूसरे सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह ऋषभ पंत हैं, और गिल तीसरे सर्वश्रेष्ठ हैं।

जियो ब्लैकरॉक की जल्द म्यूचुअल फंड बिजनेस में एंट्री होगी:जॉइंट वेंचर को सेबी की मंजूरी मिली

दोनों कंपनियों ने जुलाई 2023 में पार्टनरशिप की थी

मुंबई।

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की जल्द ही म्यूचुअल फंड बिजनेस में एंट्री होने वाली है। दोनों कंपनियों के जॉइंट वेंचर को भारत में म्यूचुअल फंड बिजनेस शुरू करने के लिए सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी स्थ्क्क्ष की मंजूरी मिल गई है। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (छ्स्नस्रु) और ब्लैकरॉक का 50-50 वाला जॉइंट वेंचर है। सेबी ने मंगलवार (27 मई) को जियो ब्लैकरॉक को भारत में अपने म्यूचुअल फंड बिजनेस के लिए इन्वेस्मेंट मैनेजर के रूप में ऑपरेशन शुरू करने की मंजूरी दी है। दोनों कंपनियों ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में कहा, %जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारतीय रिटेल म्यूचुअल फंड इन्वेस्टर की बढ़ती संख्या के साथ-साथ भारत में इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए एक इनोवेटिव इन्वेस्टमेंट प्रस्ताव लाएगा। एसेट मैनेजमेंट कंपनी अपने दो स्पॉन्सर की यूनिक स्ट्रेंथ का लाभ उठाने की कोशिश करेगी। ये छ्स्नस्रुकी डिजिटल पहुंच और लोकल मार्केट की इसकी गहरी समझ, साथ ही ब्लैकरॉक की ग्लोबल इन्वेस्टमेंट एक्सपर्टीज और लीडिंग रिस्क मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी है।

ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल इंडेक्स इ[[टी के चीफ थे सिड

इससे पहले सिड ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल इंडेक्स इक्विटी के चीफ थे, जहां वे 1.25 ट्रिलियन डॉलर के,रूके लिए जिम्मेदार थे। सिड ने ब्लैकरॉक में यूरोप के लिए फिक्स्ड इनकम पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के हेड के रूप में भी काम किया है, जहां वे सिस्टमैटिक एंड इंडेक्स्ड स्ट्रेटेजीज के लिए जिम्मेदार थे। कंपनी ने कहा कि सिड को इन्वेस्टमेंट के एसेट क्लास, इन्वेस्टमेंट स्टाइल और जियोग्राफी सेक्टर की गहरी समझ है, जो जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट के उनके नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। क्योंकि, यह जॉइंट वेंचर भारत में लाखों निवेशकों को इनोवेटिव इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट्स देने के लिए काम करता है। इससे पहले जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक के जॉइंट वेंचर को भारत में म्यूचुअल फंड सेक्टर में एंट्री के लिए मार्केट रेगुलेटर स्थ्क्क्ष ने इन-प्रिंसिपल अप्रूवल दिया था। म्यूचुअल फंड के लिए दोनों कंपनियां को-स्पॉन्सर्स के रूप में काम करेंगी।जियो के म्यूचुअल फंड सेक्टर में एंट्री से 66 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (,रू) वाले म्यूचुअल फंड इंजस्ट्री में कॉम्पिटिशन और बढ़ने की संभावना है। दोनों कंपनियों ने जुलाई 2023 में म्यूचुअल फंड बिजनेस के लिए पार्टनरशिप की थी और अक्टूबर 2023 में स्थ्क्क्ष के पास लाइसेंस के लिए अप्लाई किया था।

पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्किये का भारत में विरोध:टर्किश कंपनी की चेन्नई एयरपोर्ट पर सर्विस बंद, दिल्ली-मुंबई और अहमदाबाद एयरपोर्ट भी ऐसा कर चुके

नई दिल्ली।

पाकिस्तान को समर्थन देने पर तुर्किये की कंपनियों का भारत में विरोध किया जा रहा है। मंगलवार को चेन्नई एयरपोर्ट ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी की सब्सिडियरी के साथ कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग सर्विस को बंद कर दिया गया है। इससे पहले अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग सर्विसेज के लिए तुर्किए की फर्म सेलेबी के साथ अपनी पार्टनरशिप खत्म कर दी थी।

सरकार ने कंपनी का सिक्योरिटी क्लीयरेंस कैंसिल किया

इससे पहले 15 मई को सिविल एविएशन सिक्योरिटी ब्यूरो (क्चष्टस्) ने सेलेबी का सिक्योरिटी क्लीयरेंस कैंसिल कर दिया था। सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी रद्द करने का फैसला भारत-पाक तनाव के बीच लिया गया था।दरअसल, पाकिस्तान के भारत पर हमले में टर्किश ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।

इसके अलावा पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के लिए भारत द्वारा लॉन्च किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तुर्किए ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। तभी से सरकार भारत में टर्किश कंपनियों के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है।

सरकार बोली-खतरा था, इसलिए तुर्किये की कंपनी का क्लियरेंस कैंसिल किया

सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द होने के बाद 16 मई को सेलेबी ने इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। इस पर केंद्र ने कहा कि एविएशन सिक्योरिटी के लिए खतरे को देखते हुए, बिना किसी चेतावनी के सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी रद्द की गई थी।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसे समय में कार्रवाई से पहले कारण बताना मकसद को विफल करता है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में या तो हम कुछ करते हैं या फिर कुछ नहीं करते हैं। बीच में कुछ भी नहीं होता।

अब प्लेऑफ जीतना है लक्ष्य : पॉन्टिंग

जयपुर। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पॉन्टिंग ने आईपीएल में अपनी टीम के शीर्ष दो में पहुंचने पर खुशी जतायी है। पॉन्टिंग ने कहा कि मैं टीम को मिल रही सफलता पर खुश हूँ। एक टीम के रूप में कुछ हासिल करने के लिए बहुत मेहनत लगती है। नीलामी से महीनों पहले हमने खेलने का तरीका और जरूरी खिलाड़ियों पर काम किया था जिसका परिणाम अब मिल रहा है। शीर्ष-2 में जगह बनाने का हमारा सपना साकार हुआ है अब हमारा लक्ष्य प्लेऑफ जीतना है। करेंगे। पॉन्टिंग ने इस सत्र में अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की है।

आईपीएल समापन समारोह में ऑपरेशन सिंदूर की जीत का जश्न मनाएगा बीसीसीसीआई

तीनो सेनाओं के प्रमुखों शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को किया जाएगा आमंत्रित

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि वह ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि यह जश्न तीन जून को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल के दिन मनाया जाएगा। इसके लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया जाएगा। टूर्नामेंट के समापन समारोह के दौरान सेना को ऑपरेशन सिंदूर में उनके 'वीरतापूर्ण प्रयासों के लिए सलामी दी जाएगी। सैकिया ने कहा, 'हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सशस्त्र बलों के प्रमुखों, शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की 'वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा को नमन करता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयासों की सराहना की जिसने राष्ट्र की रक्षा करते हुए सभी को प्रेरित भी किया। सैकिया ने कहा, 'उनकी सराहना के तौर पर हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने और अपने नायकों को सम्मानित करने का फैसला किया है। जहां देश में क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना है पर हमारे देश और इसकी संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बड़कर कुछ भी नहीं है।

भारत के गुलवीर ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली।

भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में स्वर्ण जीता है। इसी के साथ ही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण मिला है। गुलवीर ने अंतिम क्षणों में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए सभी अन्य प्रतियोगियों को पीछे छोड़ दिया। भारत के ही सावन बारवाल चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले यह उपलब्धि भारत के ही हरिश्चंद्र ने (1975) और जी लक्ष्मणन (2017) में हासिल की थी।

राष्ट्रीय चैम्पियन गुलवीर ने इससे पहले साल 2023 में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 5000 मीटर में कांस्य पदक भी जीता था। गुलवीर ने हाल ही में डायमंड लीग में भी भाग लिया था। गुलवीर ने दौड़ को 28-38.63 मिनट में ही पूरा कर लिया। अंतिम लैप में उन्होंने बहरीन के अल्बर्ट किबिची रोप को पीछे छोड़ा और पहले स्थान पर रहे। गुलवीर ने 2022 के एशियाई खेलों में 10000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 में बैंकॉक में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10000 मीटर में एक और कांस्य पदक जीता था। उन्होंने देश में राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10000 मीटर में स्वर्ण पदक भी जीता। 2025 में उन्होंने बोस्टन यूनिवर्सिटी टेरियर डीएमआर चैलेंज में 5000 मीटर में 12-59.77 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गुलवीर की इस जीत से एथलेटिक्स जगत में जश्न का माहौल है, खेल प्रशंसकों ने भी उन्हें बधाई दी है।

राशन कार्ड होल्डर्स 30 जून से पहले करवा लें e-KYC:ऐसा न करने पर फ्री राशन नहीं मिलेगा, जानें e-KYC करने की पूरी प्रोसेस

नई दिल्ली।

राशन कार्ड का इस्तेमाल कर रहे लोगों के लिए सरकार ने 30 जून तक द्ग-ऋद्ध्ष्ट (ई-नो योर कस्टमर) कराना अनिवार्य कर दिया है। अगर आप भी राशन कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो इस आखिरी तारीख तक अपना द्ग-ऋद्ध्ष्ट करवा लें। आपने लास्ट डेट तक ऐसा नहीं किया, तो आपका राशन कार्ड कैंसिल हो सकता है। साथ ही आपको सस्ता या मुफ्त राशन मिलना बंद हो जाएगा। पहले सरकार ने द्ग-ऋद्ध्ष्ट की लास्ट डेट 31 मार्च 2025 रखी थी, लेकिन कई लोगों को टेक्निकल दिक्कतों और जानकारी की कमी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस वजह से सरकार ने लास्ट डेट को बढ़ाकर 30 जून 2025 कर दिया।

सही समय पर कदम उठाने से जीत मिली : श्रेयस अय्यर

जयपुर। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम के शीर्ष दो में पहुंचने पर खुशी जतायी है। श्रेयस ने इसके लिए सभी के एकजुट होकर किये प्रयासों को जिम्मेदार बताया है। पंजाब की टीम एक दशक के बाद शीर्ष दो में पहुंची है। पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स को खिताब जिताने वाले श्रेयस इस बार पंजाब को जीत दिलाना चाहते हैं। उनकी कप्तानी में पंजाब ने पांच बार कि खिताब विजेता मुम्बई को हराया। मुम्बई के खिलाफ जीत के बाद श्रेयस ने कहा कि मुझे लगता है कि सभी ने सही समय पर कदम उठाया। हम हर हाल में जीत के इरादे से उतरे थे। श्रेयस ने जीत के लिए सहयोगी स्टाफ और प्रबंधन को भी बधाई दी है। उन्होंने कोच रिकी पोंटिंग से मिले सहयोग को भी याद किया। साथ ही कहा कि कोच फैसले लेने की उन्हें पूरी आजादी देते हैं।

थायराइड बढ़ने का मुख्य कारण क्या है, शरीर के किन अंगों में होता है इसका दर्द, जानें कैसे होगा कंट्रोल?

थायराइड हार्मोन शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा उपयोग करने, हृदय गति को नियंत्रित करने, और शरीर के तापमान को बनाए रखने में मदद करते हैं। थायराइड बीमारी तब होती है जब थायराइड ग्रंथि पर्याप्त या बहुत अधिक थायराइड हार्मोन का उत्पादन करती है। चलिए जानते हैं थायराइड किन कारणों से बढ़ता है और जब यह बढ़ जाता है तो शरीर के किन अंगों में दर्द होता है बचाव के लिए क्या करें?

इसलिए बढ़ जाता है थायरॉयडः

थायरॉयड बढ़ना यानी हाइपर थायरॉयडिज्म एक गंभीर समस्या है। इस स्थिति में शरीर में थायरॉयड हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। ऑटोइम्यून डिसऑर्डर ग्रेव्स डिसीज के कारण शरीर का इम्यून सिस्टम थायरॉयड ग्रंथि को निशाना बनाने लगता है, जिससे थायरॉयड हार्मोन का स्राव बढ़ जाता है। थायरॉयड ग्रंथि में गांठ के कारण भी इसकी सक्रियता बढ़ सकती है। थायरॉयड ग्रंथि में होने वाले इन्फ्लेमेशन थायरॉयडिटिस के कारण भी थायरॉयड ग्रंथि जमा किया हुआ थायरॉयड खून में भेजने लगती है, जिससे हाइपर थायरॉयडिज्म हो जाता है। बहुत ज्यादा आयोडीन के सेवन से भी थायरॉयड हार्मोन बढ़ने का खतरा रहता है। पिट्यूटरी ग्लैंड में बनने वाली कुछ नॉन-कैंसरस गांठें भी कई बार थायरॉयड के स्राव को बढ़ा देती हैं। दिल की बीमारियों के इलाज के लिए प्रयोग होने वाली कुछ दवाओं से भी थायरॉयड का स्राव बढ़ने का खतरा रहता है।

थायराइड में कहाँ होता है दर्द?

मांसपेशियों में दर्द में ऐंठन की समस्या- शरीर में थायरॉयड का स्तर बढ़ने से मांसपेशियों में दर्द में ऐंठन की समस्या हो सकती है। इस स्थिति को हाइपर थायरॉयड मायोपैथी कहा जाता है।

आंखों में दर्द और सूजन- हाइपर थायरॉयडिज्म के कारण थायरॉयड आई डिसीज का खतरा भी रहता है। इससे आंखों में दर्द, सूजन और आंखें लाल होने की समस्या हो सकती है।

पेट में दर्द- थायरॉयड का स्तर बहुत ज्यादा बढ़ने से थायरॉयड क्राइसिस की स्थिति बन सकती है, जिससे पेट में दर्द, बुखार और सतर्कता की कमी जैसे लक्षण दिखते हैं।

जोड़ों में दर्द- थायरॉयड का स्तर बढ़ने से आर्थराइटिस यानी गठिया का खतरा भी बढ़ जाता है।

इलाज के हैं कई तरीकेः

हाइपर थायरॉयडिज्म के इलाज के लिए एंटी थायरॉयड दवा, रेडियोएक्टिव आयोडीन थेरेपी, बीटा ब्लॉकर और सर्जरी (थायरॉयडेक्टमी) का रास्ता अपनाया जा सकता है। इसके साथ-साथ खाने में आयोडीन कम करके, कैफीन का सेवन घटाकर, फल व सब्जियों का सेवन बढ़ाकर और पर्याप्त नींद एवं नियमित व्यायाम जैसे कदम उठाकर भी काफी हद तक इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

इन एक्सरसाइज़ से बढ़ती उम्र में भी हड्डियां रहेंगी मजबूत, चलने फिरने में नहीं होगी कोई परेशानी

बढ़ती उम्र के साथ शरीर में कई बदलाव आने लगते हैं, विशेषकर जोड़ों की मजबूती और लचीलापन कम होने लगता है। लेकिन यदि हम अपनी जीवनशैली में हल्के व्यायाम (low-impact e&ercises) को नियमित रूप से शामिल करें, तो न केवल जोड़ों को मज़बूत बनाए रख सकते हैं, बल्कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी बेहतर ढंग से जी सकते हैं। नियमित रूप से हल्के और सुरक्षित व्यायाम करने से हड्डियाँ मजबूत, जोड़ों में लचीलापन और शरीर में ऊर्जा बनी रहती है।

हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए करें ये एक्सरसाइज़ः

हल्का चलनाः हर दिन 20-30 मिनट की सैर जोड़ों पर अधिक दबाव डाले बिना उन्हें सक्रिय रखती है। यह घुटनों, टखनों और कूल्हों के लिए सुरक्षित और फायदेमंद होता है।सुबह या शाम को खुली हवा में चलना मानसिक ताजगी भी देता है.

योग और स्ट्रेचिंगः धीमी गति वाले योग आसन जैसे बालासन, त्रिकोणासन और मरजारी आसन जोड़ों की गतिशीलता बढ़ाते हैं और तनाव घटाते हैं। रोज़ाना 30-40 मिनट का योग दिनभर की अकड़न और जकड़न को दूर करता है.

साइकिल चलानाः साइकिल घुटनों के लिए कम दबाव वाला व्यायाम है जो हड्डियों को मज़बूत बनाता है और शरीर की सहनशक्ति बढ़ाता है.

सीढ़ियाँ चढ़नाः सीढ़ियाँ चढ़ना जांघों और कूल्हों की मांसपेशियों को सक्रिय करता है। हल्की गति और संतुलन के साथ किया जाए तो यह एक प्रभावी लो-इम्पैक्ट एक्सरसाइज बन जाती है।1-2 फ्लोर से शुरू करें और धीरे-धीरे बढ़ाएं

ट ेबल / च ेयर एक्सरसाइज़ : बुजुर्गों या अधिक वजन वाली महिलाओं के लिए बैठकर किए जाने वाले व्यायाम बहुत प्रभावी होते हैं। इनमें ankle rotations, knee e&tensions और arm circles शामिल हो सकते हैं।यह दिनभर बैठे रहने के दुष्प्रभावों को कम करता है।

एक्सरसाइज़ करते समय बरतें ये सावधानियांः

व्यायाम से पहले और बाद में हल्की स्ट्रेचिंग ज़रूरी है. अचानक कोई तेज़ या ज़्यादा व्यायाम न करें। पानी पीते रहें और शरीर की सीमाओं का सम्मान करें। यदि कोई पुरानी जोड़ों की समस्या है, तो चिकित्सकीय सलाह लेकर ही व्यायाम करें

कुछ अलग ही है कटनी की नई सीएसपी नेहा पचीसिया, प्रदेश में चर्चित हुई थी नेहा, अब कटनी में दिखाएंगी दमखम

मैहर

पुलिस विभाग में लेडी सिंघम के नाम से मशहूर नेहा पचीसिया की नई सीएसपी होंगी। ख्याति मिश्रा का तबादला आज पड़ोसी जिले मैहर के अमरपाटन कर दिया गया है। नई सीएसपी अपनी तेजतर्रार कार्यप्रणाली के लिए जानी जाती है।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा आज 53 पुलिस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की गई है। जारी सूची के मुताबिक सीएसपी कटनी श्रीमती ख्याति मिश्रा मैहर जिले के अमरपाटन में अब अपनी सेवाएं देंगी। इसके साथ ही श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी उप पुलिस अधीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल से स्लिमनाबाद एसडीओपी के पद पर पदस्थ किया गया है। श्रीमती नेहा पच्चीसिया को उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा खंडवा से एसडीओपी कटनी के पद पर पदस्थ किया गया है।

नई सीएसपी नेहा का परिचय

बता दें कि मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के पचोर तहसील के मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी नेहा की मां गृहिणी व पिता टीचर हैं। नेहा प्रतिभाशाली हैं। डीएसपी बनने से पहले एयर होस्टेस थीं। नेहा 4 बहनों में सबसे बड़ी हैं। 2012 से 2016 तक पीएससी के प्रिलिम्स और मेन्स एग्जाम दिए। फिर जब एक साथ 2016 में इंटरव्यू हुए तो वे एक साथ चारों एग्जाम में सिलेक्ट हो गई थीं। MPPSC में 20वीं रैंक पाकर डीएसपी बनीं। वर्तमान में खंडवा जिले में अपनी सेवाएं दे रही थी।

नेहा ने तीन महिला चलित थाने शुरू किए

गुना में सीएसपी रहने के दौरान नेहा ने तीन थाने में महिला चलित थाने शुरू किए। इसमें मौके पर ही महिलाओं से जुड़े विवादों का निपटारा होता है। उन्होंने शहर के असामाजिक तत्वों और जुआरियों के खिलाफ सख्ती की। कोरोना काल में बेहतर कार्य के लिए उन्हें मुख्यमंत्री ने सम्मानित भी किया। विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन्हें एसपी राजेश कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र भी दिया था।

खुशियों की दास्ता समाज की महिलाओ के लिए आदर्श बनकर उभर रही महिला थाना प्रभारी अरूणा व्दिवेदी

उमरिया।

जिला मुख्यालय की महिला थाना प्रभारी अरूणा व्दिवेदी समाज की महिलाओ के लिए आदर्श बनकर उभर रही है । उन्हें देखकर समाज की महिलाएं प्रेरित होती है कि हम भी पुलिस की भर्ती में शामिल होकर देश की सेवा करें । उन्होने बताया कि वे विगत 14 वर्षो से पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं दे रही है । वर्तमान मे उमरिया जिले में महिला थाना प्रभारी के पद पर है । उन्होने कहा कि पुलिस की नौकरी में समय का निर्धारण नही होने पर कभी दिन तथा कभी रात्रि में अपने कर्तव्यो का निर्वहन करना पड़ता है । इसके साथ ही घर परिवार का भी संचालन करना पड़ता है । उन्होने कहा कि कुछ चुनौतियां नौकरी के समय आती है । लेकिन हमारे जो सहकर्मी है , जिस परिवेश में रहकर काम कर रहे है , उससे व्यक्तिगत तौर पर कभी समस्या का सामना नही करना पड़ता है । समाज की युवतियां पुलिस को देखकर उन जैसा बनने के लिए प्रभावित होती है । महिला थाना तक आने वाली महिलाएं निडर एवं सहजता के साथ अपनी समस्याओं को रखती है,उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए पुलिस व्दारा पूरा प्रयास करते हुए उन्हें न्यायय दिलाया जाता है । उन्होने कहा कि पुलिस जनता की सेवक है । पुलिस और जनता के बीच जो दूरी है, उसे भी कम करनें का प्रयास किया जा रहा है ।

कार्यालय नगरपालिका परिषद बिजुरी जिला-अनूपपुर म.प्र.

Phone/Fax No. 07685-264242 Email: cmobijuri@mpurban.gov.in

क्रं.108/न.पा./लो.नि./2025 बिजुरी, दिनांक 29.04.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग मे केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार, पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की गई है।

क्र.	ई– निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_UAD_419625_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FORM NEAR SANKAR HOUSE TO JITENDRA HOUSE AT WARD NO 13	05.02 लाख	5021.00	2000.00	05-05-2025 (17:30 HRS)	2nd CALL
2	2025_UAD_419624_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FORM LALVA PAV HOUSE TO SHAHEED MOTU HOUSE AT WARD NO 13	07.05 लाख	7057.00	2000.00	05-05-2025 (17:30 HRS)	2nd CALL
3	2025_UAD_419623_1	RENOVATED AND REPAIRED OF BANGALI DURGA PANDALAT WARD NO 04	27.39 लाख	20,549.00	5000.00	28-05-2025 (17:30 HRS)	

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
2. बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है ।
3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद बिजुरी जिला-अनूपपुर म.प्र.

कलेक्टर ने किया बकही सोन नदी क्षेत्र का निरीक्षण कलेक्टर ने अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर सख्ती के दिए निर्देश

अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज बकही सोन नदी क्षेत्र का निरीक्षण कर रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने खनिज एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि दोनों विभाग मिलकर संयुक्त अभियान चलाएं और अवैध रेत उत्खनन में संलिप्त व्यक्तियों और वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन को रोकना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे सभी हॉटस्पॉट चिन्हित किए जाएं जहां से सबसे अधिक रेत का अवैध परिवहन होता है। इन स्थलों पर चेक पोस्ट स्थापित कर प्रभावी निगरानी की जाए। कलेक्टर श्री पंचोली ने यह भी निर्देश दिए कि अवैध उत्खनन की घटनाओं की निगरानी गूगल लोकेशन एवं जीपीएस तकनीक के माध्यम से की जाए। उन्होंने कहा कि जहां भी अवैध रेत परिवहन के प्रमाण मिलते हैं, उन वाहनों को जब्त कर उनके विरुद्ध कुर्की एवं आर्थिक दंड की कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्यवाही केवल खनिज विभाग तक सीमित न रहकर राजस्व विभाग के सहयोग से की जाए, जिससे अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। साथ ही खदानों एवं नदियों के पास नाके स्थापित किए जाएं और वाहनों की नियमित जांच हो। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्री कमलेश पुरी, जिला खनिज अधिकारी श्रीमती आशालता वैद्य, तहसीलदार अनूपपुर श्री अनुपम पांडेय, खनिज निरीक्षक श्रीमती ईशा वर्मा खदान प्रबंधन तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

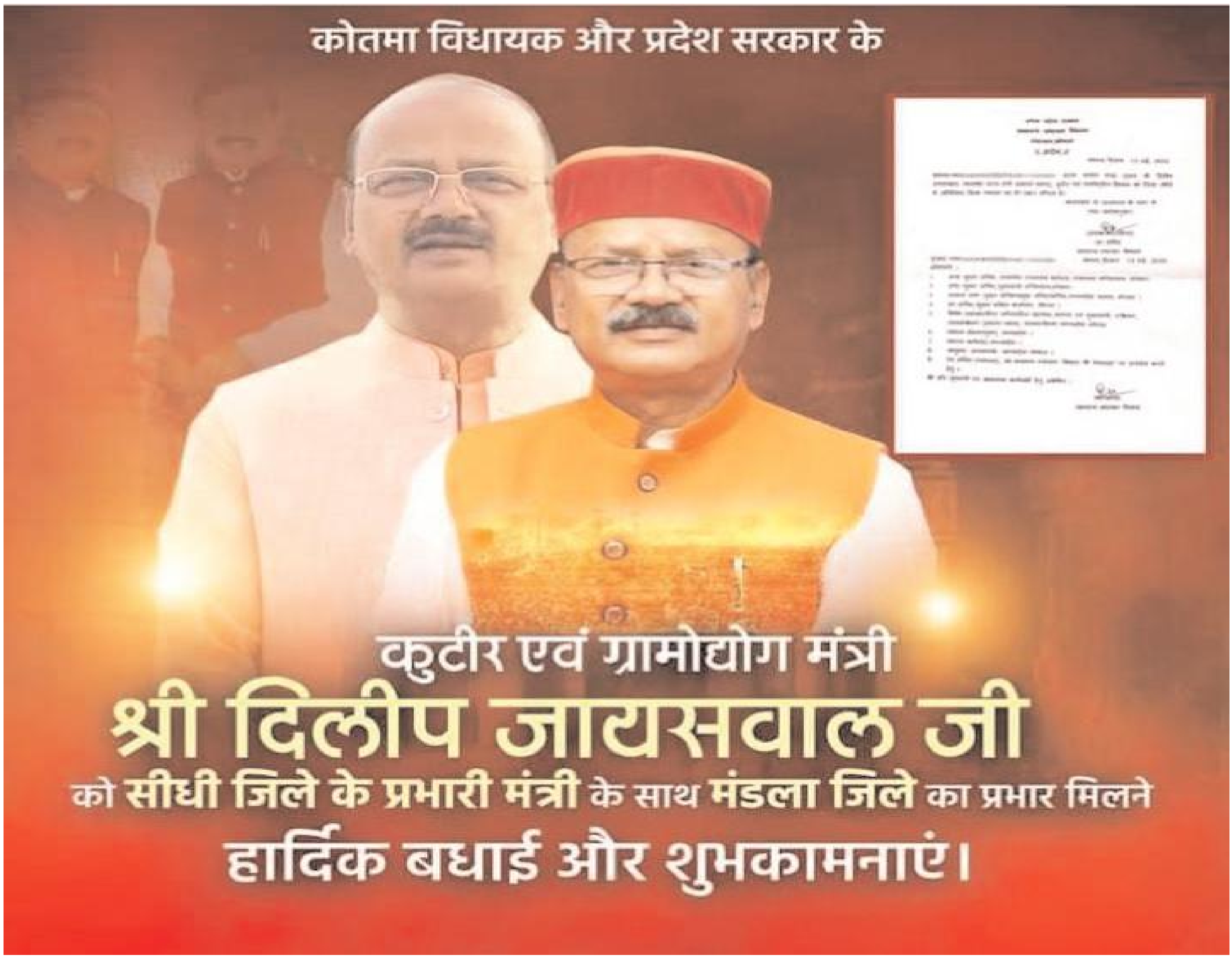

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जहांगीराबाद भोपाल म.प्र. मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 09, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संपादक डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो. 9893798715